Pt. Ravishankar Shukla University,

Raipur (Chhattisgarh), India 492010

B.A. Part-III

Syllabus

Session 2023-24 (Exam 2024)

Note:- बी.ए. भाग–तीन शिक्षा सत्र 2022–23 का पाठ्यक्रम सत्र 2023–24 हेतु यथावत प्रभावशील किया गया है।)

(संशोधित पाठ्यक्रम)

बी.ए. / बी.एस–सी. / बी.कॉम. / बी.एच.एस.–सी.

भाग – तीन, आधार पाठ्यक्रम

प्रश्न पत्र – प्रथम (हिन्दी भाषा)

(पेपर कोड – 0231)

पूर्णांक– 75

इकाई–एक **(क)** भारत माता : सुमित्रानंदन पंत

(ख) कथन की शैलियॉ

1. विवरणात्मक शैली
2. मूल्यांकन शैली
3. व्याख्यात्मक शैली
4. विचारात्मक शैली

इकाई–दो **(क)** सूखी डाली : उपेन्द्रनाथ अश्क

(ख) विभिन्न संरचनाएँ

1. विनम्रता सूचक संरचना
2. विधि सूचक संरचना
3. निषेध परक संरचना
4. काल–बोधक संरचना
5. स्थान–बोधक संरचना
6. दिशा बोधक संरचना
7. कार्य–कारण सम्बन्ध संरचना
8. अनुक्रम संरचना

इकाई–तीन **(क)** वसीयत : मालती जोशी

(ख) कार्यालयीन पत्र और आलेख

1. परिपत्र
2. आदेश
3. अधिसूचना
4. ज्ञापन
5. अनुस्मारक
6. पृष्ठाकंन

इकाई–चार **(क)** योग की शक्ति : हरिवंश राय बच्चन

(ख) अनुवाद : स्वरूप एवं परिभाषा, उद्देश्य

स्त्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा,

अच्छे अनुवाद की विशेषताएँ,

अनुवाद प्रकिया, अनुवादक

इकाई–पांच **(क)** संस्कृति और राष्ट्रीय एकीकरण : योगेश अटल

(ख) घटनाओं, समारोहों आदि का प्रतिवेदन, विभिन्न प्रकार के निमंत्रण पत्र

मूल्यांकन योजना : प्रत्येक इकाई से एक–एक प्रश्न पूछा जाएगा। प्रत्येक प्रश्न में आंतरित विकल्प होगा। प्रत्येक प्रश्न के 15 अंक होंगे। इसलिए प्रत्येक प्रश्न के दो भाग 'क' और 'ख' होंगे एवं अंक क्रमशः 8 एवं 7 अंक होंगे। प्रश्नपत्र का पूर्णांक 75 निर्धारित है।

पाठ्यक्रम संशोधन का औचित्य –

निर्धारित पाठ का अध्ययन एवं हिन्दी भाषा प्रयोग की व्यवहारिक प्रणालियों से विधार्थियों को परिचित कराना तथा भाषा प्रयोग की सामान्य अशुद्धियों को दूर करने की दृष्टि से पाठ्यक्रम तैयार किया गया है। विधार्थियों के लिए पाठ्यक्रम का विस्तार बहुत ज्यादा न हो इसका ध्यान रखा गया है।

अध्यक्ष– हिंदी अध्ययन मंडल

बी. ए. भाग 3 B.A. Part III

राजनीति विज्ञान Political Science

प्रथम प्रश्नपत्र : अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति एवं भारत की विदेश नीति

Paper I : Internatioal Politics and Foreign Policy of India

इकाई 1 : अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति : अर्थ, प्रकृति, क्षेत्र ।

अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति : अध्ययन उपागम – यथार्थवाद, आदर्शवाद, नवयथार्थवाद, विश्व व्यवस्था सिद्धान्त । राष्ट्रीय हित एव राष्ट्रीय शक्ति : अर्थ, परिभाषा एवं तत्व ।

Unit 1 : International Politics : meaning, Nature, Scope. International Politics : Approaches to the study : Realism, Idealism, New realism, World System theory. National interest and National power: Meaning Definition and Elements.

इकाई 2 : अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के विभिन्न सिद्धान्त : व्यवस्था, खेल, निर्णय निर्माण,सौदेबाजी का सिद्धान्त ।

शक्ति संतुलन । सामूहिक सुरक्षा । निशस्त्रीकरण । शीतयुद्ध । राजनय ।

Unit 2 : Various theories of International Politics : System, Game, Decision making, Barganing theory. Balance of Power, Collective Security, Disarmament, Cold war, Diplomacy.

इकाई 3 : भारत की विदेश नीति : निर्धारक तत्व, विशेषताएं । गुटनिरपेक्षता : अर्थ, विशेषताएं, प्रासंगिकता ।

Unit 3 : Foreign Policy of India : Determinating elements, characteristics. Non-alignment : meaning, features , relevance.

इकाई 4 : भारत का पडोसियों से सम्बंध –चीन,पाकिस्तान,नेपाल,श्रीलंका। भारत का महाशक्तियों से सम्बंध – संयुक्त राज्य अमेरिका, रुस, ब्रिटेन एवं फ्रांस

Unit 4 : Indias' relations with neighboring countries : China , Pakistan, Nepal, Sri lanka, Relations with Super Powers - USA, Russia, Britain and France.

इकाई 5 : अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के कुछ प्रमुख मुद्दे :

पर्यावरणवाद । अन्तर्राष्ट्रीय आतंकवाद। वैश्वीकरण । मानव अधिकार । परमाणविक निशस्त्रीकरण ।

Unit 5 : Some major issues of International Politics :

Environmentalism, International Terrorism, Globalisation, Human Rights , Nuclear Disarmament.

बी.ए.अंतिम वर्ष
प्रथम प्रश्न पत्र
अंतर्राष्ट्रीय राजनीति एवं भारत की विदेश नीति

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची:-

क्र	पुस्तक का नाम	लेखक का नाम
1.	अन्तरराष्ट्रीय राजनीति के सैद्धान्तिक पक्ष	महेन्द्र कुमार
2.	अन्तरराष्ट्रीय राजनीति के सिद्धान्त एवं व्यवहार	यू.आर.घई
3.	अन्तरराष्ट्रीय राजनीति सिद्धान्त समकालिन एवं मुददे	बी.एल. फाडिया
4.	अन्तरराष्ट्रीय संबंध	पुष्पेष पन्थ
5.	अन्तरराष्ट्रीय संबंध	दीनानाथ बर्मा
6.	थीयरी ऑफ इन्टरनेषनल पालिटिक्स	के.वाल्टज
7.	इन्टरनेषनल रिलेषन्स	जे.गोल्ड स्टीन
8.	द इन्टरनेषनल पालिटिक्स	पी.कलवरठ
9.	इन्टरनेषनल रिलेषन्स	सी.ब्राउन
10.	समकालीन विष्व एवं भारत	अरूणोदय बाजपेयी

Reference :-

- M.S. Agwani, **Détente: Perspectives and Repercussions,** Vikas, 1975
- John Gray, **False Dawn: The Delusions of Global Capitalism,** Grant Book, U.K. , 1998
- Hans J. Morgenthan, **Politics Among Nations: The Struggle for Power and Peace,** Scientific Book Agency, Calcutta, 1972
- Mahendra Kumar, **Theoretical Aspects of International Politics,** Agra: Shiva Lal Agarwala & Co. Educational Publishers
- K.J. Holsti, **International Politics: A Framework for Analysis,** Prentice Hall of India, New Delhi, 1995.
- Paul Kennedy, **Preparing for the Twenty-First Century,** New York, 1993
- Hutchings, Kimbley, **International Political Theory,** Sage, New Delhi
- John Baylis and Steve Smith, **The Globalization of World Politics**, Oxford University Press, 2008
- Karen Mingst, **Essentials of International Relations**, New York: W.W. Norton & Company, 2007
- Kate Kelly S. Pease, **International Organizations**, New Jersey: Prentice Hall, 2000

Robert Jackson and Georg Sørensen, **Introduction to International Relations: Theories and Approaches,** Oxford University Press, 2003

- Joshua S. Goldstein & Jon C. Pevehouse, **'International Relations'** 5th Edition, Pearson Education, 2002

- J. W. Burton, **'International Relations: A General Theory'**, Cambridge University Press, New York, 1965.
- M.S. Agwani, **Détente: Perspectives and Repercussions,** New Delhi: Vikas, 1975
- John Gray, **False Dawn: The Delusions of Global Capitalism,** Grant Book, U.K., 1998
- Hans J. Morgenthan, **Politics Among Nations: The Struggle for Power and Peace,** Calcutta, Scientific Book Agency, Calcutta, 1972
- Mahendra Kumar, **Theoretical Aspects of International Politics**
- K.J. Holsti, **International Politics: A Framework for Analysis,** Prentice Hall of India, New Delhi, 1995.
- Paul Kennedy, **Preparing for the Twenty-First Century,** New York, 1993
- Hutchings, Kimbley, **International Political Theory,** Sage, New Delhi, 2002
- Karen Mingst, **Essentials of International Relations**, New York: W.W. Norton & Company, 2007
- Kate Kelly S. Pease, **International Organizations**, New Jersey: Prentice Hall, 2000
- Robert Jackson and Georg Sørensen, **Introduction to International Relations: Theories and Approaches,** Oxford University Press, 2003
- Joshua S. Goldstein & Jon C. Pevehouse, **'International Relations'** 5th Edition, Pearson Education, 2002.
- J. W. Burton, **'International Relations: A General Theory'**, Cambridge University Press, New York, 1965.
- John Baylis & Steve Smith, **'Globalization of World Politics'** OUP, U.S.A. & Delhi, 2008.

बी. ए. भाग 3 B. A. Part III

राजनीति विज्ञान Political Science

द्वितीय प्रश्नपत्र : लोक प्रशासन Paper : II : Public Administration

इकाई 1 : लोक प्रशासन : अर्थ, परिभाषा, प्रकृति, क्षेत्र । लोक प्रशासन और निजी प्रशासन । अध्ययन पद्धतियां । नवीन लोक प्रशासन । तुलनात्मक लोक प्रशासन ।

Unit 1 : Public Administration : meaning and definition, nature, scope. Public Administration and Private Administration. Method of Studies. New Public Administration. Comparative Public Administration.

इकाई 2 : संगठन के सिद्धान्त : पदसोपान, नियंत्रण का क्षेत्र , आदेश की एकता, प्रत्यायोजन ।

मुख्य कार्यपालिका । सूत्र एवं स्टाफ अभिकरण । विभागीय संगठन , लोक निगम । कार्मिक प्रशासन

: भर्ती, पदोन्नति , प्रशिक्षण ।

Unit 2 : Principles of Organisation : Hierarchy, Span of Control, Unity of Command, Delegation. Chief Executive. Line and Staff Agencies. Departmental Organisation. Public Corporation. Personnel Administration : Recruitment, Promotion, Training.

इकाई 3 : विकास प्रशासन : प्रकृति, मुद्दे और विशेषताएं । रिग्स मॉडल । प्रशासन में नागरिक सहभागिता ।

सुशासन और ई शासन । संघ लोक सेवा आयोग ।

Unit 3 : Development Administration : Nature, Issues, Characteristics.Riggs Model.

Public participation in Administration.Good Governance and

e- Governance. Union Public Service Commission.

इकाई 4 : वित्तीय प्रशासन : बजट के सिद्धान्त । भारत में बजट प्रकिया । भारत में प्रशासनिक सुधार ।

प्रशासन पर कार्यपालिका, विधायी, न्यायिक और जन नियन्त्रण ।

Unit 4 : Financial Administration: Principles of Budget. Budget procedure in India. Administrative reforms in India. Executive, Legislative, Judicial and Public Control on Administration.

इकाई 5 : प्रशासन में भ्रष्टाचार : आम्बुड्समैन, लोकपाल और लोक आयुक्त ।

वैश्वीकरण के युग में लोक प्रशासन । उदारीकरण । नौकरशाही । लोक सम्पर्क ।

Corruption in Administration: Ombudsman, Lokpal and Lok Ayukta.

Public Administration in the age of Globalisation. Liberalisation. Bureaucracy.

Public Relation.

बी.ए.अंतिम वर्ष

द्वितीय प्रश्न पत्र

लोक प्रषासन

सन्दर्भ ग्रन्थ सूचीः–

क्र	पुस्तक का नाम	लेखक का नाम
1.	लोक प्रषासन	अवस्थी और माहेष्वरी
2.	लोक प्रषासन सिद्धान्त एवं व्यवहार	सुषमा यादव और बलराम गौतम–(सम्पा)
3.	तुलनात्मक लोक प्रषासन	रमेश अरोड़ा
4.	लोक प्रषासन सिद्धान्त एवं व्यवहार	पी.डी. शर्मा और हरीषचन्द्र शर्मा
5.	वित्त प्रषासन	गौतम पदमनाम
6.	लोक प्रषासन के सिद्धान्त	सी.पी. भामरी
7.	लोक प्रषासन	बी.एल. फाडिया
8.	प्रशासनिक सिद्धान्त	अवस्थी और अवस्थी

Reference :-

- Avasthi & S.R. Maheshwari: **Public Administration,** (Agra: L. N. Agrawal, latest Hindi and English editions)
- R. R. Jha: **Lokayukta : The Indian Ombudsman,** Rishi Publications, Varanasi, 1991
- F.A. Nigro and G.I. Nigro, **Modern Public Administration,** New York, Harper Row, 1980
- M. P. Sharma, B. L. Sadana, **'Lok Prashasan : Siddhanth Evam Vyavahar'**,(Allahabad: Kitab Mahal, Latest Hindi and English editions) .
- R. K. Arora & R. Goyal: **Indian Public Administration,** (New Delhi: Vishwa Prakashan, 2008).
- S. Kataria, **'Personnel Administration'**, (RBSA Publishers, Jaipur, 2003).

SYLLABUS

GEOGRAPHY

(B.A. / B.Sc.)

(UG COURSES)

Admitted Batch 2018-19

JUNE 2018

Chhattisgarh State Council of Higher Education

उपस्थिति पत्रक
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल की बैठक

अध्ययन शाला का नाम – भूगोल अध्ययन शाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर
बैठक दिनांक – 11/06/2018 समय – 11:00 बजे

कमांक	सदस्यों का नाम/पदनाम	हस्ताक्षर
1	डॉ. एन. के. बघमार, प्रोफेसर अध्यक्ष, भूगोल, अध्ययन मण्डल, पं. र. वि. वि. रायपुर	11/6/18
2	डॉ. सरला शर्मा, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष भूगोल अध्ययन, शाला, पं. र. वि. वि. रायपुर	11.6.2018
3	डॉ. अमृत लाल पटेल, प्रभारी प्राचार्य, (पदोन्नत प्राध्यापक) शासकीय महाविद्यालय, सरायपाली	11.6.18
4	डॉ. डी. एल. पटेल, सहा. प्राध्यापक अध्यक्ष, भूगोल, अध्ययन मण्डल, बस्तर वि. वि., जगदलपुर	11.06.18
5	श्री गोपीश्वर साय, सहा. प्राध्यापक अध्यक्ष, भूगोल, अध्ययन मण्डल, सरगुजा वि.वि. अम्बिकापुर	11/06/2018
6	डॉ. शीला श्रीधर, सहा. प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, भूगोल विभाग, शास. दू. ब. महिला. महा. रायपुर	11/06/2018
7	डॉ. कृष्ण कुमार द्विवेदी, सहा. प्राध्यापक, एवं विभागाध्यक्ष, भूगोल विभाग, शास. के. डी. महिला महा., राजनादगांव	11/06/2018
8	श्री एम. एस. साहू, सहा. प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, भूगोल विभाग, शास. स्नातकोत्तर महा. कुरूद, धमतरी	11.06.18
9	डॉ. सखा राम कुजाम, सहा. प्राध्यापक शास. महा. नारायणपुर	
10	डॉ. एम. पी. गुप्ता, प्रोफेसर एवं पूर्व अध्यक्ष, भूगोल अध्ययन, शाला, पं. र. वि. वि. रायपुर, विशेष आमंत्रित सदस्य,	11.6.18

11.6.18
अध्यक्ष
भूगोल अध्ययन शाला
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर

केन्द्रीय अध्ययन मण्डल की बैठक
दिनांक 11/06/2018

कार्यालय, आयुक्त उच्च शिक्षा के पत्र क्रमांक/1686/315/आउशि/समन्वय/2018, रायपुर, दिनांक 05.06.2018 के द्वारा स्नातक स्तर के एकीकृत पाठ्यक्रमों के विभिन्न विषयों के पुनर्निरीक्षण हेतु केन्द्रीय अध्ययन मण्डलों में उक्त अधिनियम की धारा–34(ए) की उपधारा–2, 3 एवं 4 के अंतर्गत आयुक्त, उच्च शिक्षा, छत्तीसगढ़ के नामांकित सदस्यों की केन्द्रीय अध्ययन मण्डल की बैठक आज दिनांक 11/06/2018 को पूर्वान्ह 11:00 बजे भूगोल अध्ययनशाला में आयोजित की गई जिसमें निम्नांकित सदस्य उपस्थित रहे :–

अधिनियम के अन्तर्गत प्रावधान	सदस्य का नाम	हस्ताक्षर
34(क)(2)(i) विश्वविद्यालय के उन विषय के अध्ययन मण्डल के अध्यक्ष	1. डॉ. एन. के. बघमार – अध्यक्ष, अध्ययन मण्डल, भूगोल, पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि., रायपुर (छ.ग.) 2. डॉ. डी.एल. पटेल – अध्यक्ष, अध्ययन मण्डल, भूगोल, बस्तर विश्वविद्यालय, जगदलपुर (छ.ग.) 3. डॉ. गोपीश्वर साय – अध्यक्ष, अध्ययन मण्डल, भूगोल, सरगुजा विश्वविद्यालय, जगदलपुर (छ.ग.) 4. डॉ. सरला शर्मा, अध्यक्ष, भूगोल अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि., रायपुर (छ.ग.)	
34(क)(2)(ii) कुलाधिपति द्वारा नामांकित महाविद्यालयों के स्नातकोत्तर स्तर के विभागाध्यक्ष	1. डॉ. शीला श्रीधर, सहा. प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, भूगोल, शा. स्नातकोत्तर दू. ब. महिला महाविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)	
34(क)(3)(iii) कुलाधिपति द्वारा नामांकित महाविद्यालयों के स्नातक स्तर के विभागाध्यक्ष	1. डॉ. एम. एस. साहू, सहा. प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, शास. महाविद्यालय, कुरूद, धमतरी (छ.ग.) 2. डॉ. अमृत लाल पटेल, पदोन्नत प्राध्यापक एवं प्रभारी प्राचार्य, शासकीय महाविद्यालय, सरायपाली (छ.ग.) 3. डॉ. गोपीश्वर साय – अध्यक्ष, शासकीय महाविद्यालय,सुरजपर (छ.ग.) 4. डॉ. डी.एल.पटेल – विभागाध्यक्ष, भूगोल शास. भानुप्रतापदेव स्नातकोत्तर, महाविद्यालय, कांकेर (छ.ग.)	
34(क)(3)(iv) कुलाधिपति द्वारा आयुक्त उच्च शिक्षा की सिफारिश के आधार पर मनोनीत विषय विशेषज्ञ	1. श्री के. के. द्विवेदी सहा. प्राध्यापक शास. के. डी. महिला महाविद्यालय, राजनांदगांव	
34(क)(3)(v) आयुक्त उच्च शिक्षा का प्रतिनिधि		
विशेष आमंत्रित सदस्य	1. डॉ. एम. पी. गुप्ता, से.नि. प्राध्यापक, पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि., रायपुर	

कार्य वृत :– आज दिनांक 11/06/2018 को पू.र्वान्ह 11:00 बजे केन्द्रीय अध्ययन मंडल, भूगोल की बैठक भूगोल अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि., रायपुर में आयोजित हुई जिसमें निम्नानुसार अनुशंसा की गई :–

1. कार्य सूची – 1 के संदर्भ में सदस्यों द्वारा बी.ए./बी. एस. सी – प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष, 2018–19 के पाठ्यक्रम के विषय में चर्चा की गई तथा बी.ए./बी. एस. सी – प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष, 2018–19 के पाठ्यक्रम में संशोधन कर निम्नलिखित संशोधित पाठ्यक्रम अनुशंसित किया गया –

Brief Summary

3 Year Integrated UG Courses (B.A./B.Sc) in Geography

B.A. /B.Sc. Part I

The B.A. /B.Sc. Part-I Examination in Geography will be 150 marks. There will be two theory papers and one Practical each of 50 marks as follows:

Paper – I Physical Geography

Paper – II Human Geography

Paper – III Practical Geography

B.A. /B.Sc. Part-II

The B.A. /B.Sc. Part-II Examination in Geography will be 150 marks. There will be two theory papers and one Practical each of 50 marks as follows:

Paper-I Economic and Resources Geography

Paper-II Regional Geography of India

Paper-III Practical Geography

B.A. /B.Sc. Part III

The B.A. /B.Sc. Part III Examination in Geography will be 150 marks. There will be two theory papers and one Practical each of 50 marks as follows

Paper – I Remote Sensing and GIS

Paper – II Geography of Chhattisgarh

Paper – III Practical Geography

प्रपत्र

कक्षा : बैचलर ऑफ आर्ट्स / साइंस
विषय : भूगोल
संकाय : कला / विज्ञान

प्रश्नपत्र	प्रश्नपत्र का नाम
I	भौतिक भूगोल (Physical Geography)
II	मानव भूगोल (Human Geography)
III	प्रायोगिक – मानचित्र एवं सांख्यिकी (Practical - Cartography and Statistical Techniques)
IV	आर्थिक एवं संसाधन भूगोल (Economic & Resource Geography)
V	भारत का प्रादेशिक भूगोल (Regional Geography of India)
VI	प्रायोगिक – मानचित्र निर्वचन, प्रक्षेप एवं सांख्यिकी विधि (Practical - Map Interpretation and Statistical Techniques) Projection
VII	सुदूर संवेदन एवं भौगोलिक सूचना प्रणाली (Remote Sensing and GIS
VIII	छत्तीसगढ़ का भूगोल (Geography of Chhattisgarh)
IX	प्रायोगिक – मानचित्र पठन एवं निर्वचन (Practical - Map Reading & Interpretation)

वर्तमान पाठ्यक्रम	नवीन संशोधित	नवीन संशोधित पाठ्यक्रम का औचित्य
संलग्नानुसार संलग्नक क्रमांक – 1	संलग्नानुसार संलग्नक क्रमांक – 2	1. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पाठ्यक्रम के अनुरूप विषय वस्तु का युक्ति-युक्तकरण किया गया है। 2. छात्रों में विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता के लिए नवीन पठन-पाठन शामिल कर प्रश्नपत्रों में संशोधन किया गया है। 3. छ. ग. शासन की अपेक्षाओं के अनुरूप क्षेत्रीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर पाठ्यक्रम तैयार किया गया है

1. डॉ. एन. के. बघमार, अध्यक्ष — N. K. BAGHMAR
2. डॉ. सरला शर्मा, प्रोफेसर, सदस्य — (Dr Sarla Sharma)
3. डॉ. अमृत लाल पटेल, सदस्य — Dr. A. L. Patel, Govt college Saraipali
4. डॉ. डी. एल. पटेल, सदस्य — (Dr D. L. Patel) Chairman board of Study Geog
5. श्री गोपेश्वर साय, सदस्य
6. डॉ. शीला श्रीधर, सदस्य — (Dr Sheela Shridhar)
7. डॉ. कृष्ण कुमार द्विवेदी, सदस्य
8. श्री एम. एस. साहू, सदस्य — (M S SAHU) Govt P.G. college
9. डॉ. सखा राम कुजाम, सदस्य
10. डॉ. एन. पी. गुप्ता, आमंत्रित सदस्य

कार्य वृत :– आज दिनांक 11/06/2018 को पू वान्ह 11:00 बजे केन्दीय अध्ययन मंडल, भूगोल की

बैठक भूगोल अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि., रायपुर में आयोजित हुई जिसमें निम्नानुसार अनुशंसा की गई :–

1. **कार्य सूची – 1** के संदर्भ में सदस्यों द्वारा बी.ए./बी. एस. सी – प्रथम, क्षितीय एवं तृतीय वर्ष, 2018–19 के पाठ्यक्रम के विषय में चर्चा की गई तथा बी.ए./बी. एस. सी – प्रथम, क्षितीय एवं तृतीय वर्ष, 2018–19 के पाठ्यक्रम में संशोधन कर निम्नलिखित संशोधित पाठ्यक्रम अनुशंसित किया गया –

Brief Summary
3 Year Integrated UG Courses (B.A./B.Sc) in Geography

B.A. /B.Sc. Part I

The B.A. /B.Sc. Part-I Examination in Geography will be 150 marks. There will be two theory papers and one Practical each of 50 marks as follows:

Paper - I	Physical Geography
Paper - II	Human Geography.
Paper - III	Practical Geography

B.A. /B.Sc. Part-II

The B.A./B.Sc. Part-II Examination in Geography will be 150 marks. There will be two theory papers and one Practical each of 50 marks as follows:

Paper-I	Economic and Resources Geography
Paper-II	Regional Geography of India
Paper-III	Practical Geography

B.A. /B.Sc. Part III

The B.A. /B.Sc. Part III Examination in Geography will be 150 marks. There will be two theory papers and one Practical each of 50 marks as follows

Paper – I	Remote Sensing and GIS
Paper - II	Geography of Chhattisgarh
Paper - III	Practical Geography

बी.ए./बी.एस.सी. तृतीय वर्ष

प्रश्न पत्र–प्रथम

सुदूर संवेदन एवं भैगोलिक सूचना प्रणाली

(पेपर कोड़ – 0248)

अधिकतम अंकः 50

इकाई –1 : सुदूर संवेदन का अर्थ तथा आधारभूत संकल्पना : परिभाषा, इतिहास, एवं विषय क्षेत्र; विद्युत चुम्बकीय विकिरण : विशेषताएँ, वर्णक्रमीय (SPECTRAL) प्रदेश एवं बैण्ड; पृथ्वी के धरातल एवं वायुमण्डल के साथ विकिरण अर्जा की अन्योन्यक्रिया, वर्णक्रमीय (SPECTRAL)लक्षण ।

इकाई –2 : सुदूर संवेदन के प्रकार : वायु जनित एवं अंतरिक्ष जनित; हवाई छायाचित्र : प्रकार एवं विशेषताएँ; सुदूर संवेदन उपग्रह : प्लेटफार्म एवं संवेदक : सक्रिय एवं निष्क्रय, संवेदक की विशेषताएँ : स्थानिक विभेदन, वर्णक्रमीय (SPECTRAL) विभेदन, रेड़ियोमेट्रिक विभेदन, अल्पकालिक विभेदन, उत्पाद ।

इकाई –3 : चाक्षुष एवं अंकीय बिम्ब प्रक्रियान्वयण तकनीक; संसाधन मानचित्रण एवं पर्यावरण नियंत्रण में सुदूर संवेदन अनुप्रयोग, भारत में सुदूर संवेदन; उद्दभव एवं विकास।

इकाई –4 : भौगोलिक सूचना प्रणाली का परिचय : भूसूचना की परिभाषा, भूसूचना का महत्व एवं विषय क्षेत्र, भौगोलिक सूचना प्रणाली का इतिहास, जी0 आई0 एस0 की संकल्पना, जी0 आई0 एस0 के कार्य – आंकड़ा प्रवेश, संचालन, परिचालन, प्रबंधन, त्रुटि संसूचन, विश्लेषण एवं प्रदर्शन, धरातलपत्रक, सर्वेक्षण, हवाई बिम्ब, उपग्रह आंकड़े एवं बिम्ब, आकड़ो के प्रकार धरातलीय एवं अधरातलीय या लाक्षाणिक ।

इकाई–5 : आंकड़ा मॉडल एवं आंकड़ा विश्लेषण : रॉस्टर आंकड़ा एवं उसकी विशेषताएँ, वेक्टर आंकड़ा एवं उसकी विशेषताएँ, रास्टार आंकड़ा विश्लेषण : ग्रिड सेल अथवा पिक्सल, विक्टर आंकड़ा विश्लेषण धरातलीय आकड़ा, विक्टर प्रारुप की रचना धरातलीय एवं अधरातलीय आंकड़ा प्रबंधन, धरातलीय सूचना तकनीक ।

Books Recommended:

1. Bhatta, B. (2010): Remote Sensing and GIS, Oxford University Press, New Delhi.
2. Campbell, J.B. (2002): Introduction to Remote Sensing. 5th edition, Taylor and Francis, London
3. Curran, P.J. (1985): Principles of Remote Sensing, Longman, London
4. Kang-tsung Chang (2003) Geographic Information Systems, Tata McGraw Hill, New Delhi
5. Lillesand, T.M. and Kiefer, R.W. (2000): Remote Sensing and Image Interpretation. 4th edition. John Wiley and Sons, New York
6. Lo Albert, C.P., and Young, K.W (2003) Concepts and Techniques of Geographical Information Systems, Prentice Hall of India Pvt. Ltd., New Delhi.
7. Nag Prithvish and Kudrat M. (1998): Digital Remote Sensing, Concept Publishing Company, New Delhi

8. Star J, and J. Estes, (1994), Geographic Information Systems: An Introduction, Prentice Hall, New Jersy.
9. Williams J. (1995): Geographic information from space, John Wiley and Sons, England,
10. चौनियाल, देवी दत्त (2004), सुदूर संवेदन एवं भौगोलिक सूचना प्रणाली, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद–2.

बी.ए./बी.एस.सी. तृतीय वर्ष
प्रश्न पत्र–द्वितीय
छत्तीसगढ़ का भूगोल
(पेपर कोड़ – 0249)

अधिकतम अंक : 50

इकाई –1. भौतिक स्वरूप भौमिकीय संरचना उच्चावच, भूआकृतिक प्रदेश, अपवाह, जलवायु ।

इकाई –2. प्राकृतिक संसाधन–मिट्टी, प्रकार, विशेषताएँ, वितरण, जलसंसाधनः प्रमुख सिंचाई और बहुउद्देशीय परियोजनांए, वन : प्रकार, वितरण, वनों का संरक्षण, खनिज संसाधन – लौह अयस्क, कोयला डोलोमाइट, चुना पत्थर और बाक्साइट छत्तीसगढ़ में शक्ति के संसाधन।

इकाई –3. कृषि– प्रमुख खाद्यान्न फसलें, दलहन एवं अन्य फसलें, जनसंख्या– वृद्धि, वितरण और घनत्व, जनजातिय जनसंख्या । ग्रामीण और नगरीय जनसंख्या ।

इकाई –4. उद्योग, लौह इस्पात उद्योग, सिमेंट चीनी, एल्युमिनीयम, छत्तीसगढ़ के औद्योगिक प्रदेश ।

इकाई –5. व्यापार, परिवहन, पर्यटन, छत्तीगढ़ का सामाजिक आर्थिक विकास ।

Books Recommended:

1. Jha, Vibhash Kumar and Saumya Naiyyar (2013) Chhattisgarh Samagra, Chhattisgarh Rajya Hindi Granth Akadmi, Raipur
2. Kumar, Pramila (2003): Chhattisgarh Ek Bhugolik Addhyayan. Madhya Pradesh Hindi Granth Akadmi, Bhopal
3. Nagesh Jitendra and at all (2014): Chhattisgarh Sandarbh 2014 Jansanmpark Vibhag, C.G. Govt., Raipur
4. Tiwari, Vijay Kumar ( ): Geography of Chhattisgarh, Himalya Publishing House, Pvt. Ltd
5. Tripathi, Kaushlendra and Pursottam Chandrakar (2001): Geography of Chhattisgarh, Shardaprakashan, Aazad Nagar , Bilaspur.
6. Verma ,L.N. (2017): Geography of Chhattisgarh, Madhya Pradesh Hindi Granth Akadmi, Bhopal

बी.ए./बी.एस.सी. तृतीय वर्ष
प्रश्न पत्र–तृतीय
प्रायोगिक भूगोल

अधिकतम अंक : 50

खण्ड (अ)

मनचित्र पठन एवं निर्वचन

20

इकाई –1. बैन्ड ग्राफ, हीदर ग्राफ, क्लाइमोग्राफ, पवनारेख ।

इकाई –2. भारतीय स्थलाकृतिक मानचित्र की व्याख्या प्रकार, वर्गीकरण धरतलीय मानचित्र के प्रकार एवं विष्लेषण, राष्ट्रीय एवं अन्तराष्ट्रीय, भौतिक एवं सांस्कृतिक तत्वों के आधार पर विष्लेषण ।

इकाई –3. उपग्रह बिम्ब : प्रारम्भिक सूचनाओं की व्याख्या बिम्ब निर्वाचन : चाक्षुश विधि – भूमि उपयोग भूमि आच्छादन मानचित्रण, जी0 पी0 एस0 का उपयोग एवं अनुप्रयोग ।

खण्ड (ब)

सर्वेक्षण एवं क्षेत्रीय प्रतिवेदन

20

इकाई –4. सर्वेक्षण , समपटल सर्वेक्षण, प्रतिच्छेदन एवं स्थिति निर्धारण ।

इकाई –5. भूगोल में क्षेत्रीय कार्य का महत्व किसी छोटे क्षेत्र का भौतिक सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण और रिपोर्ट तैयार करना ।

प्रायोगिक पुस्तिका और मौखिक परिक्षण परीक्षा **10**

Books Recommended:

1. Archer, J.E. and Dalton, T.H. (1968): *Field Work in Geography*. William Clowes and Sons Ltd. London and Beccles.
2. Bolton, T. and Newbury, P.A. (1968): *Geography through Fieldwork*. Blandford Press, London.
3. Campell, J. B. (2003): Introduction to Remote Sensing. 4th edition. Taylor and Francis, London.
4. Chaunial, D. D. (2004): Remote Sensing and Geographical Information System(in Hindi), Sharda Pustak Bhawan, Allahabad
5. Cracknell, A. and Ladson, H. (1990): Remote Sensing Year Book. Taylor and Francis, London.
6. Curran, P.J. (1985): Principles of Remote Sensing. Longman, London.
7. Davis, R.E. and Foote, F.S. (1953): Surveying, 4th edition, McGraw Hill Publication, New York
8. `
9. Deekshatulu, B.L. and Rajan, Y.S. (ed.) (1984): Remote Sensing. Indian Academy of Science, Bangalore.
10. Floyd, F. and Sabins, Jr. (1986): Remote Sensing: Principles and Interpretation. W.H. Freeman, New York.

11. Gautam, N.C. and Raghavswamy, V. (2004). Land Use/ Land Cover and Management Practices in India. B.S. Publication., Hyderabad.
12. Jensen, J.R. (2004): Remote Sensing of the Environment: An Earth Resource Perspective. Prentice-Hall, Englewood Cliffs, New Jersey. Indian reprint available.
13. Jones, P.A.(1968): Fieldwork in Geography, Longmans, Green and Company Ltd., First Publication, London
14. Kanetker, T.P. and Kulkarni, S.V.(1967): Surveying and Levelling, Vol I and II V.G. Prakashan, Poona.
15. Lillesand, T.M. and Kiefer, R.W. (2000): Remote Sensing and Image Interpretation. John Wiley and Sons, New York.
16. Monkhouse, F. J. (1985): Maps and Diagrams. Methuen, London.
17. Nag, P. (ed.) (1992): Thematic Cartography and Remote Sensing. Concept Publishing Company, New Delhi.
18. Natrajan, V. (1976): Advanced Surveying, B.I. Publications., Mumbai.
19. Rampal, K.K. (1999): Handbook of Aerial Photography and Interpretation. Concept Publishing. Company, New Delhi.
20. Raisz, E. (1962): Principles of Cartography, McGraw Hill, New York.
21. Robinson, A. H., Sale. R. D., Morrison, J. L. and Muehrcke, P. C. (1984): Elements of Cartography. 5th edition, John Wiley and Sons, Inc. New York.
22. Sarkar, A. K. (1997): Practical Geography: A Systematic Approach. Orient Longman, Kolkata
23. Sharma, J. P. (2001): *Prayogik Bhugol*., Rastogi Publication, Meerut 3rd. edition.
24. Singh, R.L. and Singh Rana P.B. (1993): *Elements of Practical Geography*. (Hindi and English editions). Kalyani Publishers, New Delhi.
25. Stoddard, Robert H. (1982): *Field Techniques and Research Methods in Geography*. Kendall/Hunt Pub. Dubuque IO.

PAPER - I
REMOTE SENSING AND GIS
Max. Marks: 50

(Paper Code-0248)

Unit I Basics of Remote Sensing: definition, history, and Scope; Electro-magnetic Radiation: Characteristics, Spectral regions and Bands; Interaction with earth surface features and atmosphere; Spectral Signature.

Unit II Types of Remote Sensing: Air borne and Space borne; Aerial photos: Types and Characteristics; Remote Sensing satellites: Platforms and sensors: active and passive, sensor characteristics: spatial resolution, spectral resolution, radiometric resolution, temporal resolution. Product.

Unit III Visual and Digital image processing techniques; Remote Sensing application in resource mapping and environmental monitoring, remote sensing in India: development and Growth. Indian Satellites, Space Organizations and data products.

Unit IV Introduction of GIS: Definition of Geoinformatics, Scope and Importance of Geoinformatics, History of GIS, Components of GIS, Functions of GIS,GIS tasks-Input, Manipulation, Management, Query analysis, Visualization, Toposheets, Surveying, Aerial photographs ,Satellite data and images, Data types-Spatial and Non spatial.

Unit V Data model and data analysis: Raster data and their characteristics, Vector data and their characteristics, Raster data analysis- grid cells or Pixels. Vector data analysis- Spatial data, Generation in Vector Format, Spatial and Non –Spatial data Management. Spatial information Technology

Books Recommended:

1. Bhatta, B. (2010): Remote Sensing and GIS, Oxford University Press, New Delhi.
2. Campbell, J.B. (2002): Introduction to Remote Sensing. 5th edition, Taylor and Francis, London
3. Curran, P.J. (1985): Principles of Remote Sensing, Longman, London
4. Kang-tsung Chang (2003) Geographic Information Systems, Tata McGraw Hill, New Delhi
5. Lillesand, T.M. and Kiefer, R.W. (2000): Remote Sensing and Image Interpretation. 4th edition. John Wiley and Sons, New York
6. Lo Albert, C.P., and Young, K.W (2003) Concepts and Techniques of Geographical Information Systems, Prentice Hall of India Pvt. Ltd., New Delhi.
7. Nag Prithvish and Kudrat M. (1998): Digital Remote Sensing, Concept Publishing Company, New Delhi
8. Star J, and J. Estes, (1994), Geographic Information Systems: An Introduction, Prentice Hall, New Jersy.
9. Williams J. (1995): Geographic information from space, John Wiley and Sons, England,

B.A./B.Sc Part III

PAPER - II

GEOGRAPHY OF CHHATTISGARH

Max. Marks: 50

(Paper Code-0249)

Unit I Physical Features : Geological Structure, Relief and Physiographic Regions, Drainage, Climate.

Unit II Natural Resources : Soils – Types, characteristics and their Distribution. Water Resources (Major Irrigation and Hydel Power Projects), Forests-types, Distribution, Conservation of Forest. Mineral Resources-iron-ore, Coal, Dolomite Lime stone, Bauxite, etc. Power Resources of Chhattisgarh.

Unit III Agriculture and Populations – Agriculture: Cereals, Pulses and other crops. Population: Growth, Distribution, and Density; Tribal Populations; and Urban and Rural Population.

Unit IV Industries - Iron and Steel, Cement, Sugar, Aluminum; Industrial Regions of Chhattisgarh.

Unit V Trade and Transport, Tourism, Socio-Economic Development of Chhattisgarh.

Books Recommended:

1. Jha, Vibhash Kumar and Saumya Naiyyar (2013) Chhattisgarh Samagra, Chhattisgarh Rajya Hindi Granth Akadmi, Raipur
2. Kumar, Pramila (2003): Chhattisgarh Ek Bhugolik Addhyayan. Madhya Pradesh Hindi Granth Akadmi, Bhopal
3. Nagesh Jitendra and at all (2014): Chhattisgarh Sandarbh 2014 Jansanmpark Vibhag, C.G. Govt., Raipur
4. Tiwari, Vijay Kumar ( ): Geography of Chhattisgarh, Himalya Publishing House, Pvt. Ltd
5. Tripathi, Kaushlendra and Pursottam Chandrakar (2001): Geography of Chhattisgarh, Shardaprakashan, Aazad Nagar , Bilaspur.
6. Verma ,L.N. (2017): Geography of Chhattisgarh, Madhya Pradesh Hindi Granth Akadmi, Bhopal

PAPER - III

PRACTICAL GEOGRAPHY

Max. Marks: 50

SECTION A

MAP READINGS AND INTERPRETATION (M.M. 20)

Unit I Graphical Representation: Band graph, Climograph, Square root, Cube-root.

Unit II Topographical Sheets: Classification and numbering system (National and International), Interpretation of Topographical Sheets with respect to cultural and physical features.

Unit III Satellite Imageries: Describing the Marginal Information, Image interpretation: Visual Methods –Landuse /Landcover Mapping. Use and Application of GPS.

SECTION B

SURVEYING AND FIELD REPORT (M.M.20)

Unit IV Surveying: Plane Table Survey, Basic Principles of plane table surveying, Plane table survey including intersection and resection.

Unit V Field work and field report: physical, social and economic survey of a micro-region.

PRACTICAL RECORD AND VIVA VOCE (M.M.10)

Books Recommended:

1. Archer, J.E. and Dalton, T.H. (1968): *Field Work in Geography*. William Clowes and Sons Ltd. London and Beccles.
2. Bolton, T. and Newbury, P.A. (1968): *Geography through Fieldwork*. Blandford Press, London.
3. Campell, J. B. (2003): Introduction to Remote Sensing. 4th edition. Taylor and Francis, London.
4. Chaunial, D. D. (2004): Remote Sensing and Geographical Information System(in Hindi), Sharda Pustak Bhawan, Allahabad
5. Cracknell, A. and Ladson, H. (1990): Remote Sensing Year Book. Taylor and Francis, London.
6. Curran, P.J. (1985): Principles of Remote Sensing. Longman, London.
7. Davis, R.E. and Foote, F.S. (1953): Surveying, 4th edition, McGraw Hill Publication, New York
8. `
9. Deekshatulu, B.L. and Rajan, Y.S. (ed.) (1984): Remote Sensing. Indian Academy of Science, Bangalore.
10. Floyd, F. and Sabins, Jr. (1986): Remote Sensing: Principles and Interpretation. W.H. Freeman, New York.

11. Gautam, N.C. and Raghavswamy, V. (2004). Land Use/ Land Cover and Management Practices in India. B.S. Publication., Hyderabad.
12. Jensen, J.R. (2004): Remote Sensing of the Environment: An Earth Resource Perspective. Prentice-Hall, Englewood Cliffs, New Jersey. Indian reprint available.
13. Jones, P.A.(1968): Fieldwork in Geography, Longmans, Green and Company Ltd., First Publication, London
14. Kanetker, T.P. and Kulkarni, S.V.(1967): Surveying and Levelling, Vol I and II V.G. Prakashan, Poona.
15. Lillesand, T.M. and Kiefer, R.W. (2000): Remote Sensing and Image Interpretation. John Wiley and Sons, New York.
16. Monkhouse, F. J. (1985): Maps and Diagrams. Methuen, London.
17. Nag, P. (ed.) (1992): Thematic Cartography and Remote Sensing. Concept Publishing Company, New Delhi.
18. Natrajan, V. (1976): Advanced Surveying, B.I. Publications., Mumbai.
19. Rampal, K.K. (1999): Handbook of Aerial Photography and Interpretation. Concept Publishing. Company, New Delhi.
20. Raisz, E. (1962): Principles of Cartography, McGraw Hill, New York.
21. Robinson, A. H., Sale. R. D., Morrison, J. L. and Muehrcke, P. C. (1984): Elements of Cartography. 5th edition, John Wiley and Sons, Inc. New York.
22. Sarkar, A. K. (1997): Practical Geography: A Systematic Approach. Orient Longman, Kolkata
23. Sharma, J. P. (2001): *Prayogik Bhugol*., Rastogi Publication, Meerut 3rd. edition.
24. Singh, R.L. and Singh Rana P.B. (1993): *Elements of Practical Geography*. (Hindi and English editions). Kalyani Publishers, New Delhi.
25. Stoddard, Robert H. (1982): *Field Techniques and Research Methods in Geography*. Kendall/Hunt Pub. Dubuque IO.

Syllabus for B.A./ B.Sc. Course, 2018-19
Subject:. Statistics

Each year of B.A./B.sc. I, II, III shall have two theories and one practical course. All the Theory as well as Practical Examinations will be of 3 hours duration. In each practical examination 10% marks shall be fixed for viva –voce and 20% marks for practical record.

Scheme of Examination

	Title of the paper	MAX. Marks
B.A./B.Sc. I	**Paper-I** (Code No. 0803) **: Probability I** **Paper-II** (Code No. 0804)**: Descriptive Statistics I** **Paper III**: **Practical**- Based on Theory Papers I & II **Total**	50 50 50 **150**
B.A./B.Sc. II	**Paper-I** (Code No. 0853)**: Statistical Methods** **Paper-II** (Code No. 0854)**: Sampling Theory and Design of Experiments** **Paper III**: **Practical**- Based on Theory Papers I & II Total	50 50 50 **150**
B.A./B.Sc. III	**Paper I** (Code No. 0907)**: Applied Statistics** **Paper II** (Code No. 0908): **Statistical Quality Control and Computational Techniques** **Paper III: Practical**- Based on Theory Papers I & II Total	50 50 50 **150**

B.A./B.Sc. –III
Subject: Statistics
Paper-I(Paper Code-0907)
Applied Statistics

Unit I

Indian Applied Statistics System: Present official statistical System in India, Methods of collection of Official Statistics, their reliability and limitations, and the principal publications containing such statistics on the topics-population agriculture, industry, trade, price, labour and employment, transport and communications, Banking and Finance.

Unit II

Demographic Methods: Sources of demographic data: Census, register and-hoc surveys, hospital records, demographic profiles of the Indian Census, Measurement of mortality, and life table,: crude death rate, age specific death rates, infant mortality rates, infant death rate, death rate by cause, standardized death rate, direct & indirect method of standardized death rate, Complete life tables- its main features,mortality rate and probability of dying , uses of survival tables

Measurement of fertility,: crude birth rate,, general fertility rate, age specific birth rate, total fertility rate, gross reproduction rate, net reproduction rate.

Unit III

Economic Statistics: Index number- definition, application of index numbers. Price relatives and quantity or volume relatives. Link and chain relatives, problems involved in computation of index numbers, uses of averages, simple aggregative and weighted average methods, Laspeyre's, Paasche's, Marchal-edgeworth's and Fisher's index numbers, Time and Factor reversal tests. Chain base index number, Consumer price –index numbers.

Unit IV

Static laws of demand and supply, Price elasticity of demand, Forms of demand functions, Engel's curves, Income elasticity of demand.
Analysis of income and allied distributions-Pareto distribution, graphical test, fitting of Pareto's Law, log normal distributions and its properties, Lorenz curve and estimation of elasticity from time series data, Gini's coefficient.

Unit V

Time series analysis- economic time series, different components, illustrations, additive and multiplicative models, determination of trend, growth curves, analysis of seasonal fluctuations, construction of seasonal indices.

REFERENCES

1. Croxton F.E. and Cowden D.J. (1969): Applied General Statistics, Prentice Hall of India.
2.Chatfield, C.(1980): The Analysis of Time Series-An Introduction ,Second Edition Chapman and Hall.

3.Goon A.M.;Gupta,M.K. and Dasgupta ,B(1986):Fundamentals of Statistics, Volume-Two, World Press,Calcutta
4. Guide to Current Indian Official Statistics: Central Statistical Organization, Govt. of India, New Delhi.
5. Mukhopadhyay ,P.(1999) : Applied Statistics, New Central Book agency Pvt. Ltd., Calcutta.
6. Srivastava O.S. (1983): A Text Book of Demography, Vikas Publishing.

ADDITIONAL REFERENCES

1. Cox,P.R.(1970):Demography,Cambridge University Press.
2. Pressat R. (1978): Statistical Demography, Methuen and Co. Ltd.

Paper-II(Paper Code-0908)

Statistical Quality Control and Computational Techniques

Unit I

Importance of statistical methods in industrial research and practice, specification of items and lot qualities corresponding to visual gauging, count and measurements, types of inspection, determination of tolerance limits. General theory of control charts, causes of variation in quality, control limits, sub-grouping, summary of out of control criteria. Charts for attributes, np chart, p-chart, c-chart, u- chart. Charts for variables, $\bar{X}$ and R charts, design of $\bar{X}$ and R charts, versues p chrts, process cabability of studies.

Unit II

Principle of acceptance sampling-problem of lot acceptance, stipulation of good and bad lots, Producer's and consumers risks, single and double sampling plans for all attributes , their OC functions, concepts of AQL, LTPD, AOQL, Average amount of inspection and ASN function, rectifying inspection plans, sampling inspection plans for variables, Indian Standard Tables Part-I(including applications), IS 2500 Part I.

Unit III

Computational Techniques: Difference tables and methods of interpolation : Newton's forward and backward interpolation formula, Lagranges method of interpolation, divided difference interpolation formula. Numerical differentiation and integration . Trapezoidal, Simpson's one – third formulae, iterative solutions of non-linear equations.

Unit IV

Linear Programming: Elementary theory of convex sets, definition of general linear programming problems (LPP), formulation problems of LPP, examples of LPP. Problems occurring in varios fields, Graphical and Simplex methods of solving an LPP, artificial variables, duality of LPP, Transportation Problem (non-degenarate and balanced cases only), Assignment Problems.

Unit V

Four short notes, one from each unit will be asked. Students have to answer any two.

REFERENCES

1.Brownless K.A. (1960): Statistical Theory and Methodology in Science and Engineering, John Wiley and Sons.
2.Grant E.L. (1964): Statistical Quality Control, McGraw Hill.
3. Ducan A.J. (1974): Quality Control and Industrial Statistics, Traporewala and Sons.
4. Gauss S.I. (1975) : Linear Programming Methods and Applications, McGraw Hill.
5. Montgomery, D.C. (1985): Introduction to Statistical Quality Control; Wiley.
6. Rajaraman, V. (1981) : Computer Oriented Numerical Methods, Prentice Hall.
7.Shanti Narayan (1993). Mathematical Analysis, S. Chand and Co.

8. Sastry S.S. (1987): Introductory Methods of Numerical Analysis, Prentice Hall
9. Taha H.A.(1982) Operational research :An Introduction ;Macmillan

ADDITIONAL REFERENCES:

1. Biswas Suddhendu (1996): Statistics of Quality Control,Sampling Inspection and Reliability,new Age international Publishers,New delhi.
2. Browker H.A. and Liberman G.T. (1962): Engineering Statistics, Prentece Hall.
3.Despande J.V. (1981). Text Book of Mathematical Analysis, Tata McGraw Hill.

4. Crowden, D.J. (1960): statistical Methods in Quality Control, Asia publishing Society
5. Garwin W.W. (1960): Introduction to Linear Programming, McGraw Hill.
6. Kanti Swarup,Gupta,P.K. and Singh,M.M. (1985):Operations Research;Sultan chand & sons.

7. Mahajan M. (2001) Statistical Quality Control, Dhanpat Rai & Co. (P. Ltd.).
8. Rao S.S. (1984) : Optimization Theory and Applications, Wiley Eastern.
9.Somasundaram, D. and Choudhari, B.(1996). A First Course in Mathematical Analysis, Narosa Publishing House.
10.Wagner H.M. (1973) Principle of O.R. with Applications to Managerial Decisions; Prentice Hall.
11.Wetherill ,G.B (1977) Sampling Inspection and Quality Control; Halsted Press.

Paper III:
Practical : Practicals Based on Paper I & II

1. Computing measures of mortality and fertility, construction of life tables, graduation of mortality rates by Gompertz curve, fitting of Logistic curve.
2. Construction of index numbers by Laspeyre's, Paasche's, Marshell,-Edgeworth and Fisher method.
3. Determination of trend in a time series, construction of seasonal indices.
4. Fitting of Pareto curve to income data, Lorenz curve of concentration, Estimation of price elasticity of demand from time series data.
5. Drawing of $\bar{X}$ -R, np, p anf c –charts. Drawing of OC curve for single and double sampling plans.
6. Construction of difference tables. Use of Newton's, Lgrange's methods of interpolation and divided difference formulae, numerical evaluation of integrals using Trapezoidal and Simpon's one-third formulae, solution to non-linear equation by Newton-Raphson iterative method.
7. Formulation of LPPs and their duals. Solving LPPs by graphical and simplex methods, transportation and assignment problems.

बी.ए./बी. एस–सी. तृतीय वर्ष
सत्र : 2018–19

विषय का नाम :– मानवविज्ञान

प्रश्न पत्र :– प्रथम

प्रश्न पत्र का नाम :– मानव आनुवांशिकी, मानव संवृद्धि एवं पोषण के आधार

पूर्णांक :– 50 उत्तीर्णांक :– 17

पाठ्यक्रम

इकाई 1 – मानव आनुवांशिकी : इतिहास, उद्देश्य, क्षेत्र एवं मानव समाज में इसकी उपयोगिता
कोशिका विभाजन : समसूत्रीय विभाजन एवं अर्द्धसूत्री विभाजन मेण्डलवाद
गुणसूत्र : सामान्य एवं असामान्य गुणसूत्र
जीन्स की अवधारणा, डी.एन.ए. एवं आर.एन.ए.। अनुवांशिकता के प्रकार : दैहिक (प्रभावी एवं अप्रभावी) एवं लिंग–सहलग्न अनुवांशिकता।

इकाई 2 – मानव संवृद्धि – मानव संवृद्धि की परिभाषा एंव कार्यक्षेत्र, मानव संवृद्धि एवं विकास की अध्ययन विधियाँ, वयता।

इकाई 3 – यमज/यमल के प्रकार एवं आनुवंशिक अन्वेषण में इसका महत्व।
ए.बी.ओ. रक्त समूह की अनुवांशिकता, पी.टी.सी (फिनाईल थायो कार्बामाईड), कलर ब्लाइंडनेस एवं डर्मेटोग्लायफिक्स, जेनेटिक काउंसलिंग, यूजेनिक्स।

इकाई 4 – पोषण : सामान्य संवृद्धि के लिए आवश्यक पोषक तत्व। सामान्य पोषण संबंधी रोग (प्रोटीन, वसा, कार्बोहाइड्रेट, खनिज–लवण विटामिन)।

इकाई 5 – पारिस्थीतिकी : परिभाषा एवं कार्यक्षेत्र, मानव पारिस्थीतिकी तंत्र के प्रकार, पारिस्थितिकीय प्रदूषण। जैविकीय जनांकिकी : परिभाषा, प्रकृति एवं कार्यक्षेत्र।
जनांनांकीय रूपरेखा : प्रजननता/उर्वरता, मर्त्यता, रूग्णता।

बी.ए./बी. एस–सी. तृतीय वर्ष
सत्र : 2018–19

विषय का नाम :– मानवविज्ञान
प्रश्न पत्र :– द्वितीय
प्रश्न पत्र का नाम :– सामाजिक–सांस्कृतिक मानवविज्ञान के सिद्धान्त

पूर्णांक :– 50 उत्तीर्णांक :– 17

पाठ्यक्रम

इकाई 1 – सामाजिक–सांस्कृतिक मानवशास्त्रीयों का योगदान –

1. इमाईल दुर्खीम
2. फ्रांस बोआस
3. राबर्ट रेडफील्ड
4. अल्फ्रेड लुईस क्रोब्रर
5. श्यामचरण दुबे
6. एम.एन श्रीनीवास
7. एल.पी. विद्यार्थी

इकाई 2 – उद्विकास : जैविकी एवं सांस्कृतिक उद्विकास।
उद्विकासवाद : शास्त्रीय उद्विकासवाद – (ई.बी. टायलर एवं एल.एच. मार्गन, नवउद्वकिासवाद : (लेसली व्हाईट एवं गार्डन चाइल्ड)। प्रसारवाद : ब्रिट्रिश, जर्मन–आस्ट्रीयन (कल्चर क्रीश) एवं अमेरिकन। प्रसारवाद (सांस्कृतिक तत्व, सांस्कृतिक संकुल, सांस्कृतिक क्षेत्र, सांस्कृतिक केन्द्र)

इकाई 3 – प्रकार्य एवं संरचना :
प्रकार्यवाद (मेलीनोवस्की)
संरचना–प्रकार्यवाद (रेडक्लिफ ब्राउन)
संरचनावाद (लेविस्ट्रास)

इकाई 4 – व्यैकिक्तत्व एवं संस्कृति :
आधारभूत व्यक्तित्व एवं आधुनिक व्यक्तित्व (कोरा–डू–बॉयस, अब्राहम कार्डीनर)
सांस्कृतिक प्रतिमान : संरूपणवाद (रूथ बेनेडिक्ट)
राष्ट्रीय चरित्र अध्ययन में मानवशास्त्रीय योगदान
राष्ट्रीय चरित्र अध्ययन में मार्गेड मीड का योगदान

इकाई 5 – मानवविज्ञान में क्षेत्रकार्य परम्परा

शोध के प्रमुख उपकरण : अनुसूची, प्रश्नावली, अवलोकन, साक्षात्कार, व्यैकितत्व अध्ययन, वंशावली अध्ययन।

मानवशास्त्रीय अनुसंधान पद्धति के प्रकार – ऐतिहासिक पद्धति, तुलनात्मक पध्दति एवं क्रियात्मक पद्धति

बी.ए./बी. एस–सी. तृतीय वर्ष
सत्र : 2018–19

विषय का नाम :– मानवविज्ञान
प्रश्न पत्र :– प्रायोगिक
प्रश्न पत्र का नाम :– शारीरिकवलोकन, शरीरमिती एवं अनुवांशिक तत्व

पूर्णांक :– 50 उत्तीर्णांक :– 17

पाठ्यक्रम

उद्देश्य – इस प्रायोगिक विषय का प्रमुख उद्देश्य छात्र–छात्राओं को मानवविज्ञान में उपयोग होने वाली उपकरण एवं विधि, विश्लेषण एवं सांख्यिकी विधि से परिचय कराना है। साथ ही प्रयोगशाला में रक्त–समूह की जाँच, त्वचारैखिकीय प्रतिरूपों की पहचान करना साथ ही साथ उनके व्यवहारिक उपयोगिता का जानकारी प्रदान करना।

भाग 1 – शारीरिकवलोकन

अ. स्किन कलर (त्वचा रंग)
ब. आई (आंख/नेत्र)
स. नोश (बाल/केश)
द. बाल
इ. लीप (होंठ/ओस्ट्र)

भाग 2 – शरीरमीति :

अ. शारीरिक माप

1. हाईट वर्टैक्स (संपूर्ण ऊँचाई)
2. हाईट ट्रेगस (कंठतक ऊँचाई)
3. सुप्रास्टर्नल हाईट (स्टर्नम तक की ऊँचाई)
4. बाई एक्रोमियल ब्रेथ (कंधे की चौडाई)
5. बाई–इलिहयोक्रिस्टियेल ब्रेथ (कमर की चौड़ाई)
6. टीबियल हाईट (घूटने तक की ऊँचाई)
7. अपन एक्ट्रीमिटी लेन्थ
8. सिटींग हाईट (बैठी अवस्था में ऊँचाई)
9. हाईट डेक्टिीलीआन (धरातल से डेक्टीलियॉन तक की ऊँचाई)
10. बॉडी वेट (शारीरिक भार/वजन)

ब. सिर एवं चेहरे की माप

1. मार्फोलोजिकल अपर फेशियल लेंथ (ऊपरी चेहरे की अकारकीय लंबाई)

2. फिजीयोगनॉमिक अपर फेशियल लेंथ (उपरी चेहरे की संपूर्ण लंबाई)
3. मार्फोलॉजिकल फेशियल लेंथ (चेहरे की संपूर्ण लंबाई)
4. बाईजाइगोमेटिक ब्रेथ (चेहरे की चौड़ाई)
5. मैक्सिमम हेड लेंथ (सिर की अधिकत चौड़ाई)
6. मैक्सिमम हेड ब्रेंथ (सिर की अधिकत ऊँचाई)
7. नेजल लेंथ (नाक की अधिकतम लंबाई)
8. नेजल ब्रेथ (नाक की अधिकतम चौड़ाई)

स. शरीरमिति सूचकांक / देशना

9. सिफेलिक देशना
10. नेशल देशना
11. फेसियल देशना

भाग 3 – आनुवांशिक तत्व

ए.बी.ओ. रक्त समूह, वर्णान्धता / रंग अंधता, पी.टी.सी. स्वाद संवेदनशीलता अध्ययन, त्वचारेखिकीय : ऊँगलीयों एवं हथेलियों के छाप तथा विश्लेषण करने की विधि।

भाग 4 – सांख्यिकीय : समान्तर माध्य, मध्यिका, प्रमाप विचलन काई स्कायर परीक्षण (X^2 test.)

REVISED SYLLBUS

B. A. Part- III (Economics)

Subject : Development and Environmental Economics, Paper-I (Paper Code:0242)

UNIT 1

Economic Growth and Development : Factor affecting economic growth (Labour, capital and technology), Developed and under developed Economy, Poverty-absolute & relative, Marxian model of Economic Growth, Mahalanobis Model of Economic Growth. Balanced and unbalanced growth.

UNIT 2

Problems of Population and growth pattern of population. Theory of demographic transition. Population, poverty and environment. Schumpeter's theory of economic growth, Theory of Big-Push, Nelson's theory of low-level income equilibrium trap , Theory of Critical minimum efforts ,

UNIT 3

Harrod and Domar growth model, Solow's model of economic growth, Meades Neo classical models, , Mrs. Joan Robinson's growth model , A. Lewis theory of unlimited supply of labour.

UNIT 4

Environment: Environmental and use, environmental disruption as an allocation, problem. valuation of environmental damages- land, water , air & forest , prevention control and abatement of pollution, choice of policy instruments in developing countries, environmental legislation, indicators of sustainable development, environmental accounting

UNIT 5

Concept of Intellectual Capital : Food Security, Education, Health & Nutrition, Role of agriculture in economic development, Land reforms, Efficiency & Productivity in Agriculture, new technology & Sustainable agriculture, Globalization & agriculture growth, the choice of technique appropriate technology & employment.

Reference :-

1. Behrman, S. And T.N. Shrinivasan (1995) "Hand book of Development Economics," Vol 1, 2, & 3 Elsevier; Amsterdam.
2. Ghatak,s (1986) "An introduction to development Economics", Allen & Elnein, London.
3. Sen, A.K. (Ed.) 1990 "Growth Economics", Penguin, Harmonds worth.
4. Mehrotra, S. And J. Richard (1998), Development with a Human Face, Oxford University Press new Delhi.

REVISED SYLLBUS

B.A. Part- III (Economics)

Subject : Statistical Methods, Paper-II, (Paper Code: 0243)

UNIT 1 :-

Statistics : Definition of Statistics, Importance and Limitations of Statistics, Importance of Statistics in Economics, Statistical investigation, Census and sampling methods of statistical investigation, Statistical data, Collections of Data, Primary & Secondary Data.

UNIT 2

Measuring of Central Tendency: Mean, Median, Mode, measures of Skewness, Probability-basic concepts meaning and definitions

UNIT 3

Dispersion : Meaning of Dispersion, Methods of measuring Dispersion, Range, Quartiles Deviation ,Mean Deviation, Coefficient of Mean Deviation, Standard Deviation.

UNIT 4

Correlation Analysis : Meaning and types of correlation ,Degree of correlation, Coefficient of correlation-Karl Pearson's Method, Spearman's Rank Difference Method. Probable error and standard error.

UNIT 5

Index Number- Methods of constructing of Index Numbers, Fisher's methods, Dorbish-Bowles method, Paasches method, Laspeyres method, Consumer price index numbers, Reversal test, Circular Test, Time series analysis-Meaning, Components of time series, Measurement of long term trend by average method.

Reference :-

1. Shukla, S.M. and S.P. Sahay – "Quantitative Methods" Sahitya Bhawan Publication, Agra.
2. Agrawal, D.R., "Quantitative Methods", Vrinda Publications (P) Ltd.
3. Sancheti, D.C.," Quantitative Methods", Sultanchand and Sons, New Delhi.

4. Gupta, S.P. and others, "Qunatitative Techniques", Sultanchad and Sons, New Delhi.
5. मेहता एवं मदनानी, अर्थशास्त्र में प्रारंभिक गणित, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, आगरा–3
6. Dr. Amrendra, "An Introduction to Mathematical concepts in Economics", Pragtisheel Prakashan, New Delhi.

==*==

B. A. - III

PSYCHOLOGY

Paper	Name of the Paper	Max. Marks	Duration
I	Psychological Statistics	50	3 hrs.
II.	Human Development/ or Environmental Psychology	50	3 hrs.
III.	Practicum	50	4 Hrs.

PAPER - I

PSYCHOLOGICAL STATISTICS (Paper Code-0250) M.M.: 50

Note: This paper consists of five units. From each unit a minimum of two questions would be set and the candidates would be required to attempt one from the each unit.

UNIT-1 Statistics: Meaning and Application in Psychology; Nature of Score, Categorical and Continuous variables; Frequency Distribution; Graphic representation of data.

UNIT-2 Measures of Central Tendency: Mean, Median and Mode of grouped and ungrouped data, Measures of Variability: Range, Standard Deviation (S.D.), Quartile Deviation (Q.D.), Average Deviation (A.D.). Applications of the measures of Central Tendency and Variability.

UNIT-3 Nature and Characteristics of Normal Probability Curve (NPC): The concept of Skewness and Kurtosis; Correlation: Concept, Types and Methods- Rank Difference and Product Moment (in ungrouped data).

UNIT-4 Inferential Statistics: Concept of Null Hypothesis; Level of Significance; Type-I Error & Type-II Error, t-test (for uncorrelated data).

UNIT-5 Distribution-Free Statistics: Chi-square test, Median and Sign test. Applications of Computer in Psychological Statistics.

References

1. Siegel, S. (1994). Non Parametric Statistics. New York: Mcgraw Hill.
2. Garret. Statistics in Psychology and Education. Times of India Publisher.
3. dfiy, ,p- d-A Ikf[;dh d ey rRoA
4. xjVA eukfoKku ,o f'k{kk e Ikf[;dhA

●

B. A. - III

PSYCHOLOGY

PAPER- II (Optional)

(A) HUMAN DEVELOPMENT (Paper Code-0251) M.M.:50

Note: This paper consists of five units. From each unit a minimum of two questions would be set and the candidates would be required to attempt one from the each unit.

UNIT-I The Concept of Human Development; Theories of Human Development: Psycho-anaytical and Maslow's (Humanistic); Determinants of Human Development: Biological, Social, and Cultural; Approaches to study Human Development: Longitudinal and Cross-sectional.

UNIT-II Socialization: Role of Family, Peers and School; Media and Socialization; Cognitive Development: Theoretical Perspectives- Piaget's, Information Processing, Vygotsky's.

UNIT-III Self and Identity: Emergence of Self; Development of Personal Identity; Identity Crises; Physical and Sexual Development; Sequential Development of Emotions.

UNIT-IV Development of Morality and Self-control; Development of Gender Differences and Gender Roles; Role of Marriage, Family and Occupation in Human Development.

UNIT-V Problems of Aging: Cognitive, Conative, and Affective; Developmental Disabilities.

References

1. Berk L.E. (1989) Child Development. Boston: Allyn and Bacon.
2. Santrock, J.W. (1999). Lifespan Development. New York: McGraw-Hill.
3. Hurlock, E.B. (1997). Developmental Psychology: A Life-span Approach.
4. 'kkg] xko/kuA fodkIkRed eukfoKkuA

•

B. A. - III

PSYCHOLOGY

PAPER- II (Optional)

(B) ENVIRONMENTAL PSYCHOLOGY (Paper Code-0252) M.M.:50

Note: This paper consists of five units. From each unit a minimum of two questions would be set and the candidates would be required to attempt one from the each unit.

UNIT-1 Evaluating Environmental Ethics from Values about nature in the ancient Indian systems; Earth as a Living System; Psychological Approaches to the Environment: Eco Cultural Psychology (Berry), Bio-social Psychology (Dawson), Ecological Psychology (Berkar), and Person Environment Transactions (Sokols, Itlelson etc.)

UNIT-2 Effects of Environment on Behavior: Noise Pollution, Chemical Pollution, Crowding and Personal Space; Effect of Behavior on Environment: Perception, Preferences and Awareness of Environment.

UNIT-3 Human Nature and Environmental Problems; Pro-social and pro environment Behaviors; Eco-systems and their components; Demography: Mortality and Fertility; Resource Use: Common Property Resources; Sustainable Development; Ecology: Acculturation and Psychological Adaptation.

UNIT-4 Methods: Naturalistic Observation and Field Surveys; Environmental Assessment: Naturalistic Observation and Field Surveys; Socio-psychological Dimensions of Environments Impact; Environmental Deprivation: Nature and Consequences; Creating Environmental Awareness: Social Movements: Chipko, Tehri, and Narmada Bachao.

UNIT-5 Applications of Psychology in Man Environment Fit: Education- Classroom Environment, Industry- Industrial/ Organisational Effectiveness, Health- Physical, Mental and Spiritual, Social- Communal harmony and National integration.

References

1. Goldsmith, E. (1991). The Way: The Ecological World. Boston: Shambhala.
2. Jain, U. (1987). The Psychological Consequences of Crowding. New Delhi: Sage.
3. Mishra, R.C., Sinha, D & Berry, J.W. (1996). Ecology, Community and Life style. New Delhi.

B. A. - III

PSYCHOLOGY

PAPER- III

PRACTICUM **M.M.:50**

Note: This paper consists of two parts:

Part-A

(a) Comprises of Laboratory E**xperiments**.
(b) Comprises of Psychological **Testing** and understanding of self and others.

(a) **Experiments** (Any five of the following):-

1. Bilateral Transfer of Training.
2. Measurement of Illusion.
3. Habit Interference.
4. Effect of Need priority on Selection of advertising material.
5. Effect of Mental Fatigue on Performance.
6. Reaction Time.
7. Effect of Frustration on Learning.
8. Depth Perception.

(b) **Psychological Tests** (Any four of the following):-

1. Level of Aspiration.
2. Need for Guidance.
3. Maturity Scale.
4. Attitude Scale.
5. Classroom Environment Scale.
6. Mental Health.
7. Family Environment Test
8. Test of Moral Values.

Part- B

The condidate will be alloted a topic of the project by the departmental committee. He/she is required to carry out a small scale project based on a small sample. He/she is required to complete the project and submit its report in 15-20 pages, covering all the major steps of scientific enquiry under the supervision of a departmental teacher. This will be the part of practical work. The suggested areas for the project work are as under Mental Health, Sibling Rivarly, Deprivation, Identity Crises, Drug Abuse, Aging, Media effect, Woman Employment, Job Satisfaction, Stress, Stress Management, and Problems of Adolescents etc.

Distribution of Marks

Conduction of Experiment	-	10 marks
Administration of test	-	10 marks
Evaluation of Project Report and Practical record	-	10 marks
Viva - Voce	-	10 marks

केन्द्रीय अध्ययन मंडल
समाजशास्त्र

Revised syllabus
SOCIOLOGY 2018-2019

B.A. PART-III
PAPER – I
FOUNDATIONS OF SOCIOLOGICAL THOUGHT
(Paper Code-0246)

UNIT-I **August Comte** : The Law of Three Stages , Positivism, Hierarchy of Science.

Durkheim: Social Solidarity and Suicide.

UNIT-II **Karl Marx** : Dialectic Materialism , Class Struggle and Surplus value.

Max Weber : Bureaucracy, Authority and the Protestant Ethic and the spirit of Capitalism.

UNIT–III **Pareto** : Circulation of Elis and Logical and Nonlogical action.

Spencer : Social Darwinism, super organic evolutions.

UNIT–IV **Thorstein Veblen:** The Theory of Leisure Class, Theory of Social Change.

R. K. Morton: Functionalism and Reference Group.

UNIT-V **Development of Sociological thought in India : -**

Mahatma Ghandhi: Ahimsa, Satya Graha and Trusteeship.

Radha kamal Mukherjee : The Concept of Value.

ESSENTIAL READINGS –

1 Barres,H.E. : Introduction to the sociology, Chicago the university of Chicago press 1959.
2 Coser,Levis a.,: Master of sociological thought, New York Harcourt Brace Jovanovich 1979.
3 Singh, Yogendra- Indian sociology:social conditioning and emerging frends. New Delhi vistaar 1986.
4 Zeitlin,Irving-(Indian edition) Rethinking sociology: A critigue of contemporary theory , Jorpur Rawl 1999.

11/6/2018
Head,
S.O.S. in Sociology & Social Work,
Pt. Ravishankar Shukla University,
Raipur. (C.G.)

Revised syllabus
SOCIOLOGY 2018-2019

B.A. PART-III
PAPER-II
METHODS OF SOCIAL RESEARCH
(Paper Code-0247)

UNIT-I **Social Research** : Meaning, Characteristics and Significance.
Scientific methods , Hypothesis.

UNIT-II **Qualitative Research** : Ethnography, Observation, Case Study, Content analysis.

UNIT-III **Reasearch design :** Exploatory , Descriptive, Explanatory, Experimental, and Diagnostic.

UNIT-IV **Tools and Techniques of Social Research:** Social Survey, Sampling, Questionnaire, Interview - Schedule and Interview - Guide.

UNIT-V **Social Statistics:** Meaning, Importance and Limitations.
Graphs, Diagrams and Measures of Central Tendency- Mean, Mode, Median, Co-relation, Use of Computer in Social Research.

ESSENTIAL READINGS –

1. Young, P.V. (1977). *Scientific Social Surveys and Research*. Prentice Hall of India. New Delhi.
2. Bruce, C., & Margaret, M. (1993). *Approaches to Social Research.* New York: Oxford University Press.
3. Cohen, M., & Nagel, E. (1944). *An Introduction to Logi and Scientific Method.* New York: Harcourt, Brace & Company.
4. Forcese, D., & Richer, S. (1973). *Social Research Methods.* Cliffs: Englewood, Cliffs, NJ. Printinh Hall.
5. Moser, C.A. (1962). *Survey Methods in Social Research Investigation.* London: Heinemann, Printce Hall.
6. Goode, & Hatt. (1952). *Methods in Social Research.* New York: MC'grawHill Publishers.

11.6.18

Shubhash 11/06/2018

अध्यक्ष 11.06.18

11.06.2018

11/6/2018

Head,
S.O.S. in Sociology & Social Work,
Pt. Ravishankar Shukla University,
Raipur. (C.G.)

11.6.18

11/6/18

सत्र 2020–21 से प्रस्तावित

बी.ए. अन्तिम वर्ष

संस्कृत साहित्य

टीप – बी.ए. अंतिम वर्ष में संस्कृत साहित्य के दो प्रश्न–पत्र होंगें एवं दोनों प्रश्न –पत्र 75– 75 अंकों के होंगें ।

प्रथम प्रश्नपत्र

नाटक, व्याकरण और अनुवाद पूर्णांक – 75

इकाई –1	अभिज्ञानशाकुन्तलम् (नाटक) दो श्लोकों की व्याख्या (प्रथम, चतुर्थ, पंचम तथा सप्तम अंक से व्याख्या, शेष द्रुतपाठ)	अंक – 15
इकाई –2	अभिज्ञानशाकुन्तलम् – समीक्षात्मक प्रश्न	अंक – 15
इकाई –3	निर्धारित छन्दों के लक्षण तथा उदाहरण – अनुष्टुप्, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, उपजाति, वंशस्थ, आर्या, मालिनी, शिखरिणी, वसन्ततिलका, शार्दूलविक्रीडित, स्रग्धरा, मन्दाक्रान्ता ।	अंक – 15
इकाई –4	व्याकरण – लघुसिद्धान्तकौमुदी कृदन्त प्रकरण तव्यत् , अनीयर् , यत् , क्यप् , ण्यत् , शतृ , शानच् , क्त्वा, ल्यप् , तुमुन् , क्त , क्तवतु , ण्वुल् , तृच् , ल्युट् , अण् ।	अंक – 15
इकाई –5	व्याकरण – लघुसिद्धान्तकौमुदी 1.तद्धितप्रत्यय – अण् , ढक् , ष्यञ् , त्व, तल् , इमनिच् , ठक् , इञ् , मतुप् इनि, इतच् , ईयसुन् , इष्ठन् , तरप् , तमप् , ण्य, यञ् । 2.स्त्रीप्रत्यय – टाप् , ङीप् , ङीष् , ङीन् ।	अंक – 15

अनुशंसित ग्रन्थ –

1. अभिज्ञानशाकुन्तलम् – कालिदास, प्रकाशक – मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
2. छन्दोमंजरी – प्रकाशक – चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
3. लघु सिद्धान्त कौमुदी – श्रीधरानन्द शास्त्री
4. लघु सिद्धान्त कौमुदी – श्री महेश सिंह कुशवाहा, प्रकाशक – चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
5. शीघ्रबोधव्याकरणम् – डा. पुष्पा दीक्षित, पाणिनीय शोध संस्थान, तेलीपारा, बिलासपुर
6. संस्कृत हिन्दी कोश – वामन शिवराम आप्टे, प्रकाशक – मोतीलाल बनारसीदास,

सत्र 2020–21 से प्रस्तावित

बी.ए. अन्तिम वर्ष

संस्कृत

द्वितीय प्रश्नपत्र

नाटक, व्याकरण और अनुवाद पूर्णांक – 75

इकाई –1 किरातार्जुनीयम् (भारवि) प्रथमसर्ग अंक – 15
दो श्लोकों की ससन्दर्भ व्याख्या

इकाई –2 किरातार्जुनीयम् – आलोचनात्मक प्रश्न अंक – 15

इकाई –3 मूलरामायणम् –वाल्मीकि अंक – 15
व्याख्या अथवा आलोचनात्मक प्रश्न

इकाई –4 अलंकार – अंक – 15
अनुप्रास, यमक, शब्दश्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अनन्वय, अर्थान्तरन्यास, स्वभावोक्ति, अतिशयोक्ति, दीपक, विभावना, विशेषोक्ति, अपह्नुति, दृष्टान्त, निदर्शना, प्रतिवस्तूपमा, सन्देह, भ्रान्तिमान् , काव्यलिंग ।

टिप्पणी – अलंकारों के लक्षण चन्द्रालोक, काव्यप्रकाश अथवा साहित्यदर्पण से अध्येतव्य हैं, उदाहरण पाठ्यक्रमों से भी दिये जा सकते हैं ।

इकाई –5 निबन्ध (संस्कृत भाषा में) 15 वाक्यों में अंक – 15
टिप्पणी – निबन्ध समीक्षात्मक अथवा विश्लेषणात्मक न होकर वर्णनात्मक पूछे जायेंगे ।

अनुशंसित ग्रन्थ –

1. संस्कृतनिबन्धशतकम् – डा. कपिलदेव द्विवेदी, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
2. निबन्धपारिजात – डा. रजनीकान्त लहरी, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
3. प्रबन्धरत्नाकर – डा. रमेशचन्द्र शुक्ल, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
4. रचनानुवादकौमुदी – डा. कपिलदेव द्विवेदी, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी

———————

दर्शन शास्त्र

बी.ए. भाग तीन दर्शन शास्त्र विषय में कुल दो प्रश्न पत्र होंगे तथा प्रत्येक में 75 अंक होंगे। प्रत्येक प्रश्न पत्र पांच इकाईयों में विभाजित है । प्रथम प्रश्न पत्र 'तर्कशास्त्र ' अनिवार्य है । द्वितीय प्रश्न पत्र में दो विकल्प दिये गये हैं –

1. ज्ञान मीमांसा एवं तत्व मीमांसा (भारतीय एवं पाश्चात्य)
2. ग्रीक दर्शन

बी.ए. भाग – तीन

दर्शन शास्त्र

प्रश्न पत्र– प्रथम

तर्क शास्त्र

(कुल 75 अंक)

इकाई –1
1. तर्क शास्त्र : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, उपयोगिता
2. आगमनात्मक एवं निगमनात्मक तर्क
3. अनाकारिक तर्कदोष

इकाई–2
1. सत्यता एवं वैधता
2. प्रतिज्ञप्ति – वर्गीकरण, प्रतिज्ञप्ति की बुलीय व्याख्या
3. निरपेक्ष न्याय वाक्यों के मानक आकार एवं न्याय वाक्यों के परीक्षण हेतु वेन रेखा पद्धति
4. आकारिक तर्कदोष

इकाई–3
1. (अ) संयोजन (ब) निषेधक (स) वियोजक (द) आपादन (इ) द्विआपादन
2. तार्किक युक्तियों की वैधता की परीक्षा के लिए सत्यता सारिणी विधि

इकाई –4
1. विज्ञान एवं प्राक्कल्पना
2. वैज्ञानिक व्याख्या की प्रकृति
3. वैज्ञानिक व्याख्या एवं अवैज्ञानिक व्याख्या में भेद
4. मिल की पद्धतियां (अन्वय, व्यतिरेक, अन्वय व्यतिरेक की संयुक्त पद्धति)

इकाई–5
1. अनुमान
2. अनुमान के प्रकार
3. हेत्वाभास

उपरोक्त समस्त संशोधन विषय की स्पष्टता व ज्ञानवर्धन को ध्यान में रखकर समिति के सभी सदस्यों की सहमति से किया गया ।

नवीन संशोधित पाठ्यक्रम
बी.ए. भाग –तीन
दर्शन शास्त्र
प्रश्न पत्र– द्वितीय (वैकल्पिक)

(अ) ज्ञान मीमांसा एवं तत्व मीमांसा (भारतीय एवं पाश्चात्य)

इकाई –1 1. ज्ञान मीमांसा एवं तत्व मीमांसा : स्वरूप एवं विषय वस्तु

ज्ञान प्रमाण : प्रमा एवं अप्रमा

इकाई –2 1. प्रामाण्य : स्वतः प्रामाण्य एवं परतः प्रामाण्य

ख्यातिवाद : सत्ख्यातिवाद, अख्यातिवाद, अन्यथा ख्याातिवाद , अनिवर्चनीय ख्यातिवाद

इकाई–3 1. कारणता का सिद्धांत (कारणकार्यवाद)

अ. सत्कार्यवाद

ब. असत्कार्यवाद

2. सत्य के सिद्धांत

अ. संवादिता

ब. संसक्तता

स. अर्थकियावादी सिद्धांत

इकाई–4 1. जड़वाद

2. अध्यात्मवाद

3. वस्तुवाद

इकाई–5 1. बुद्धिवाद

2. अनुभववाद

3. कांट का परीक्षावाद

उपरोक्त समस्त संशोधन विषय की स्पष्टता व ज्ञानवर्धन को ध्यान में रखकर समिति के सभी सदस्यों की सहमति से किया गया ।

नवीन संशोधित पाठ्यक्रम

बी.ए. भाग –तीन

दर्शन शास्त्र

प्रश्न पत्र– द्वितीय (वैकल्पिक)

ग्रीक दर्शन

इकाई –1
1. ग्रीक दर्शन : मुख्य विशेषताएं
2. थेलिस
3. एनेक्जिमेंडर
4. एनेक्जिमेनीज

इकाई–2
1. हेराक्लाइट्स
2. जेनोफेनीज
3. पार्मेनाइडीज
4. जीनो

इकाई–3
1. एम्पीडोक्लीज
2. एनेक्जागोरस
3. ल्यूसिपस
4. डेमोकाइट्स

इकाई–4
1. सोफिस्ट विचारक : प्रोटागोरस, गार्जियस
2. सुकरात – सुकरात पद्धति, नैतिक विचार

इकाई –5
1. प्लेटो– प्रत्ययवाद, आत्मा
2. अरस्तू – प्लेटो के प्रत्ययवाद की आलोचना, कारणता सिद्धांत

उपरोक्त समस्त संशोधन विषय की स्पष्टता व ज्ञानवर्धन को ध्यान में रखकर समिति के सभी सदस्यों की सहमति से किया गया ।

SYLLABUS

GEOGRAPHY

(B.A. / B.Sc.)

(UG COURSES)

Admitted Batch 2018-19

JUNE 2018

Chhattisgarh State Council of Higher Education

कार्य वृत :– आज दिनांक 11/06/2018 को पू वान्ह 11:00 बजे केन्दीय अध्ययन मंडल, भूगोल की

बैठक भूगोल अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि., रायपुर में आयोजित हुई जिसमें निम्नानुसार अनुशंसा की गई :–

1. **कार्य सूची – 1** के संदर्भ में सदस्यों द्वारा बी.ए./बी. एस. सी – प्रथम, क्षितीय एवं तृतीय वर्ष, 2018–19 के पाठ्यक्रम के विषय में चर्चा की गई तथा बी.ए./बी. एस. सी – प्रथम, क्षितीय एवं तृतीय वर्ष, 2018–19 के पाठ्यक्रम में संशोधन कर निम्नलिखित संशोधित पाठ्यक्रम अनुशंसित किया गया –

Brief Summary
3 Year Integrated UG Courses (B.A./B.Sc) in Geography

B.A. /B.Sc. Part I

The B.A. /B.Sc. Part-I Examination in Geography will be 150 marks. There will be two theory papers and one Practical each of 50 marks as follows:

Paper - I	Physical Geography
Paper - II	Human Geography.
Paper - III	Practical Geography

B.A. /B.Sc. Part-II

The B.A./B.Sc. Part-II Examination in Geography will be 150 marks. There will be two theory papers and one Practical each of 50 marks as follows:

Paper-I	Economic and Resources Geography
Paper-II	Regional Geography of India
Paper-III	Practical Geography

B.A. /B.Sc. Part III

The B.A. /B.Sc. Part III Examination in Geography will be 150 marks. There will be two theory papers and one Practical each of 50 marks as follows

Paper – I	Remote Sensing and GIS
Paper - II	Geography of Chhattisgarh
Paper - III	Practical Geography

कार्य वृत :– आज दिनांक 11/06/2018 को पू र्वान्ह 11:00 बजे केन्दीय अध्ययन मंडल, भूगोल की बैठक भूगोल अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि., रायपुर में आयोजित हुई जिसमें निम्नानुसार अनुशंसा की गई :–

1. **कार्य सूची** – 1 के संदर्भ में सदस्यों द्वारा बी.ए./बी. एस. सी – प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष, 2018–19 के पाठ्यक्रम के विषय में चर्चा की गई तथा बी.ए./बी. एस. सी – प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष, 2018–19 के पाठ्यक्रम में संशोधन कर निम्नलिखित संशोधित पाठ्यक्रम अनुशंसित किया गया –

Brief Summary

3 Year Integrated UG Courses (B.A./B.Sc) in Geography

B.A. /B.Sc. Part I

The B.A. /B.Sc. Part-I Examination in Geography will be 150 marks. There will be two theory papers and one Practical each of 50 marks as follows:

Paper - I	Physical Geography
Paper - II	Human Geography.
Paper - III	Practical Geography

B.A. /B.Sc. Part-II

The B.A./B.Sc. Part-II Examination in Geography will be 150 marks. There will be two theory papers and one Practical each of 50 marks as follows:

Paper-I	Economic and Resources Geography
Paper-II	Regional Geography of India
Paper-III	Practical Geography

B.A. /B.Sc. Part III

The B.A. /B.Sc. Part III Examination in Geography will be 150 marks. There will be two theory papers and one Practical each of 50 marks as follows

Paper – I	Remote Sensing and GIS
Paper - II	Geography of Chhattisgarh
Paper - III	Practical Geography

(Dr. Sarla Sharma) (Dr. Sarla Sharma)

Dr. A.L. Patel (Dr. D.L. Patel) (M.S. Sahu)

केन्द्रीय अध्ययन मण्डल की बैठक
दिनांक 11/06/2018

कार्यालय, आयुक्त उच्च शिक्षा के पत्र क्रमांक/1686/315/आउशि/समन्वय/2018, रायपुर, दिनांक 05.06.2018 के द्वारा स्नातक स्तर के एकीकृत पाठ्यक्रमों के विभिन्न विषयों के पुनर्निरीक्षण हेतु केन्द्रीय अध्ययन मण्डलों में उक्त अधिनियम की धारा–34(ए) की उपधारा–2, 3 एवं 4 के अंतर्गत आयुक्त, उच्च शिक्षा, छत्तीसगढ़ के नामांकित सदस्यों की केन्द्रीय अध्ययन मण्डल की बैठक आज दिनांक 11/06/2018 को पूर्वान्ह 11:00 बजे भूगोल अध्ययनशाला में आयोजित की गई जिसमें निम्नांकित सदस्य उपस्थित रहे :–

अधिनियम के अन्तर्गत प्रावधान	सदस्य का नाम	हस्ताक्षर
34(क)(2)(i) विश्वविद्यालय के उन विषय के अध्ययन मण्डल के अध्यक्ष	1. डॉ. एन. के. बघमार – अध्यक्ष, अध्ययन मण्डल, भूगोल, पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि., रायपुर (छ.ग.) 2. डॉ. डी.एल. पटेल – अध्यक्ष, अध्ययन मण्डल, भूगोल, बस्तर विश्वविद्यालय, जगदलपुर (छ.ग.) 3. डॉ. गोपीश्वर साय – अध्यक्ष, अध्ययन मण्डल, भूगोल, सरगुजा विश्वविद्यालय, जगदलपुर (छ.ग.) 4. डॉ. सरला शर्मा, अध्यक्ष, भूगोल अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि., रायपुर (छ.ग.)	
34(क)(2)(ii) कुलाधिपति द्वारा नामांकित महाविद्यालयों के स्नातकोत्तर स्तर के विभागाध्यक्ष	1. डॉ. शीला श्रीधर, सहा. प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, भूगोल, शा. स्नातकोत्तर दू. ब. महिला महाविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)	
34(क)(3)(iii) कुलाधिपति द्वारा नामांकित महाविद्यालयों के स्नातक स्तर के विभागाध्यक्ष	1. डॉ. एम. एस. साहू, सहा. प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, शास. महाविद्यालय, कुरूद, धमतरी (छ.ग.) 2. डॉ. अमृत लाल पटेल, पदोन्नत प्राध्यापक एवं प्रभारी प्राचार्य, शासकीय महाविद्यालय, सरायपाली (छ.ग.) 3. डॉ. गोपीश्वर साय – अध्यक्ष, शासकीय महाविद्यालय,सुरजपर (छ.ग.) 4. डॉ. डी.एल.पटेल – विभागाध्यक्ष, भूगोल शास. भानुप्रतापदेव स्नातकोत्तर, महाविद्यालय, कांकेर (छ.ग.)	
34(क)(3)(iv) कुलाधिपति द्वारा आयुक्त उच्च शिक्षा की सिफारिश के आधार पर मनोनीत विषय विशेषज्ञ	1. श्री के. के. द्विवेदी सहा. प्राध्यापक शास. के. डी. महिला महाविद्यालय, राजनांदगांव	
34(क)(3)(v) आयुक्त उच्च शिक्षा का प्रतिनिधि		
विशेष आमंत्रित सदस्य	1. डॉ. एम. पी. गुप्ता, से.नि. प्राध्यापक, पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि., रायपुर	

प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति तथा पुरातत्व
Ancient India History, Culture and Archaeology

बी.ए. प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष

B.A. Part I , II & III Year

पाठ्यक्रम
Syllabus

सत्र : 2018–19

Session 2018-19

(डॉ. दिने□ा नंदिनी परिहार) मिश्र)
सदस्य
केन्द्रीय अध्ययन मंड़ल

(डॉ. अनुप परसाई)
अध्यक्ष
केन्द्रीय अध्ययन मंड़ल

(डॉ. नितें□ा कुमार
सदस्य
केन्द्रीय अध्ययन मंड़ल

कार्यवृत्त
केन्द्रीय अध्ययन मंड़ल
प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व
दिनांक 11.06.2018

प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व अध्ययन शाला, पं.रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर में आज दिनांक 11.06.2018 को केन्द्रीय अध्ययन मंड़ल की बैठक 11 बजे प्रारंभ किया गया जिसमें अध्यक्ष प्रो. दिनेश नंदिनी परिहार एवं सदस्य डॉ. अनुप परसाई तथा डॉ. नितेश कुमार मिश्र उपस्थित हुये किन्तु कोरम के अभाव में बैठक स्थागित की गई।

अध्ययन मंड़ल की बैठक को पुनः 12 बजे से प्रारंभ किया गया जिसमें बी.ए. प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के पाठ्यक्रमों पर विस्तृत चर्चा कर विषय के औचित्य के अनुसार संशोधित करते हुये बिन्दुवार निर्णय लिया गया।

संशोधित पाठ्यक्रम	संशोधन का औचित्य
बी.ए. प्रथम वर्श के पाठ्यक्रम में निम्न संशोधन किया गया। (1) प्रथम प्रश्न पत्र भारत का इतिहास (हड़प्पा सभ्यता से 319 ई.) को यथावत रखा गया। (2) द्वितीय प्रश्न पत्र प्राचीन भारतीय सामाजिक एवं आर्थिक संस्थाओं को विलोपित किया गया और उनके स्थान पर द्वितीय प्रश्न पत्र के रूप में भारत का राजनैतिक इतिहास 319 से 1300 ई.तक को जोडा गया।	पूर्व के पाठ्यक्रम में दोनों प्रश्न पत्र में क्रमबद्धता नहीं थी और राजनीतिक इतिहास में क्रमबद्धता अत्यंत आवश्यक है, इसलिए प्रथम वर्ष के लिए प्राचीन भारत का समग्र राजनीतिक इतिहास को क्रमबद्ध रूप से प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम में रखा गया है।
बी.ए. द्वितीय वर्श में निम्न संशोधन किये गये । (1) भारत का राजनैतिक इतिहास 319 से 1300 ई.तक को और द्वितीय प्रश्न पत्र ''अ'' प्राचीन भारतीय धर्म दर्शन (वैदिक काल से 13 वीं शताब्दी) **को विलोपित किया गया।** (2) प्रथम प्रश्न पत्र प्राचीन भारतीय सामाजिक एवं आर्थिक संस्था को जोड़ा गया। जिसकी सभी ईंकाईयॉ पूर्ववत् रहेगेंह (3)प्रश्न पत्र द्वितीय ''ब'' प्राचीन भारतीय राजनय प्रशासन को यथावत रखा गया।	प्राचीन भारतीय धर्म एवं दर्शन का प्रश्न पत्र बी.ए. द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों के लिए विषय वस्तु गंभीर और विस्तृत होने के कारण इसे विलोपित किया है और भारत के राजनीतिक इतिहास को क्रमबद्धता लाने के लिए प्रथम वर्ष में जोड़ा गया।
बी.ए. तृतीय वर्श के पाठ्यक्रम में पूर्व के तीनों प्रश्न पत्रों को आंशिक संशोधन करते हुये यथावत रखा गया। (1) प्रथम प्रश्न पत्र भारतीय वास्तु तथा कला के मूल तत्व के द्वितीय इकाई में मंदिर वास्तु के उद्भव एवं विकास एवं विभिन्न शैलियों नागर, बेसर एवं द्रविड को जोड़ा गया।	भारतीय वास्तु तथा कला के प्रश्न पत्र में आंशिक परिवर्तन कर उसे क्रमबद्ध रूप देते हुए स्पष्ट किया गया। अभिलेख एवं पुरालिपि के प्रश्न पत्र में आंशिक परिवर्तन करते हुए कुछ इकाई 2 एवं 3 में अभिलेखीय महत्व को ध्यान में रखते हुए कुछ नये अभिलेखो को जोडा गया। यूनिट 4 एवं 5 को क्रमबद्धता स्वरूप प्रदान करते हुए कुछ परिवर्तन कर स्थानीय एवं राष्ट्रीय महत्व की मुद्राओं को जोड़ा गया।
इकाई IV में प्राचीन भारत मूर्ति पूजा के उद्भव एवं विकास को जोड़ा गया। (2) द्वितीय प्रश्न पत्र ''अ'' को यथावत रखा गया तथा ''ब'' पुराभिलेख एवं मुद्रा शास्त्र में आंशिक संशोधन करते हुये इकाईयों का पुर्ननिर्धारण किया गया। इकाई I को यथावत रखा गया इकाई II एवं III में निम्नलिखित ऐतिहासिक महत्व के कुछ अभिलेखों को	

जोड़ा जिनका विवरण निम्न है।

इकाई II

(1) अशोक का द्वितीय अभिलेख
(2) अशोक का बारहवां अभिलेख
(3) हेलियोडोरस का बेसनगर अभिलेख
(4) गौतमी पुत्र सातकर्णी का नासिक अभिलेख
(5) खारवेल का हाथिगुंफा अभिलेख
(6) रूद्र दामन का जूनागढ़ अभिलेख

इकाई III

(1) समुद्र गुप्त का प्रयाग प्रशस्ति अभिलेख
(2) पुलकेशिन द्वितीय का एहोल लेख
(3) हर्ष का बांसखेड़ा अभिलेख
(4) महारानी वासटा का लक्ष्मण मंदिर अभिलेख
(5) जाजल्ल देव प्रथम का रतनपुर अभिलेख

इकाई IV

इतिहास की पुर्नरचना में मुद्रा का महत्व, मुद्रा का उद्भव एवं प्राचीनता, मुद्रा निर्माण तकनीक तथा आहत सिक्के

इकाई V

कुषाण कालीन सिक्के, जनपदीय सिक्के (तक्षाशिला, कौशाम्बी, एरण), गुप्त कालीन मुद्रायें, समुद्रगुप्त, चन्द्रगुप्त द्वितीय एवं कुमारगुप्त की स्वर्ण रजत एवं ताम्र मुद्रायें स्थानीय मुद्रायें (शरभपुरीय, नलवंशीय एवं कलचुरी राजवंश)।

- **बी.ए. तृतीय वर्श के प्रायोगिकीय का पाठ्यकम यथावत रहेगा।**

नोट– बी.ए. प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के सभी सातों प्रश्न पत्र का पॉचों इकाईयों का सत्यापित संशोधित एवं टंकित पाठ्यकम अंग्रेजी में अनुवाद के साथ केन्द्रीय अध्ययन मंड़ल कार्यवृत्त रजिस्ट्रर में साथ संलग्न किया गया है।

(प्रो.दिनेश नंदिनी परिहार)	(डॉ. अनुप परसाई)	(डॉ. नितेश कुमार मिश्र)
अध्यक्ष	सदस्य	सदस्य
केन्द्रीय अध्ययन मंडल	केन्द्रीय अध्ययन मंडल	केन्द्रीय अध्ययन मंडल

बी.ए. तृतीय वर्श

प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति तथा पुरातत्व

प्रथम : प्रश्न–पत्र

B.A. Part III Paper I

भारतीय वास्तु तथा कला के मूल तत्व (पेपर कोड 0266)

Elements of Ancient Indian Architecture and Art

पूर्णांक : 50

इकाई– 1 हड़प्पा कालीन वास्तु, मौर्य कालीन वास्तु, स्तूप वास्तु (सांची, भरहुत तथा अमरावती), पश्चिमी भारत के चैत्यगृह तथा विहार– भाजा, कालें, कोण्डाने, अजंता और एलोरा।
(Architecture of Harappan period, Mauryan period; Stupa Architecture (Sanchi, Bharhut and Amravati), Chaityas and Viharas of Western India (Bhaja, Karle, Konden, Ajanta and Ellora)

इकाई– 2 मंदिर वास्तु का उद्भव एवं विकास, मंदिर वास्तु की विभिन्न शैली–नागर, बेसर एवं द्रविड़।
(Origin and development of Temple Architecture, Various Styles of Temple Architecture – Nagara, Vessara & Dravida)

इकाई– 3 मूर्तिकला–हड़प्पा कालीन, मौर्यकालीन, शुंभकालीन, कुषाण कालीन (गांधार एवं मथुरा)।
(Iconography – Harappa period, Mauryan period, Shunga period, Kushana period (Gandhara & Mathura)

इकाई– 4 प्राचीन भारत में मूर्ति पूजा का उद्भव एवं विकास (विष्णु, शिव, बौद्ध एवं जैन प्रतिमा के विशेष संदर्भ में)।
(Origin and development of idol worship in Ancient India, with special reference to Vishnu, Shiva, Jaina & Buddhist sculptures)

इकाई– 5 प्रागैतिहासिक चित्रकला, सिघंनपुर की चित्रकला, काबरा पहाड़ एवं अंजता और बाघ की चित्रकला।
(Pre-historic paintings, Painting of Singhanpur and Kabrapahar, Ajanta & Bagh Paintings)

अनुशंशित ग्रंथ :

1. वासुदेव शरण अग्रवाल – भारतीय कला भाग–1
2. रामनाथ मिश्र – भारतीय मूर्तिकला
3. कृष्णदत्त बाजपेयी – भारतीय वास्तुकला का इतिहास
4. वासुदेव उपाध्याय – प्राचीन भारतीय स्तूप, गुहा एवं मंदिर
5. कृष्णदत्त बाजपेयी एवं संतोष कुमार बाजपेयी – भारतीय कला
6. सच्चिदानंद पांडेय – मंदिर स्थापत्य का इतिहास
7. जयनारायण पांडेय – भारतीय कला
8. मारूतिनंदन प्रसाद तिवारी तथा कमल गिरी – भारतीय प्रतिमा विज्ञान
9. ए.एल. श्रीवास्तव – भारतीय कला
10. A.. Coomarswami - History of Indian and Indonesian Art
11. Percy Brown - Indian Architecture, Vol. I
12. Krishnadeva - Temples of North India
13. S.Kramrisch - Hindu Temple Part I & II

बी.ए. तृतीय वर्श

द्वितीय : प्रश्न–पत्र (अ)

B.A. Part III Paper II (A)

भारतीय पुरातत्व के मूलतत्व (पेपर कोड 0267)

Elements of Indian Archaeology

पूर्णांक : 50

इकाई– 1 पुरातत्व विज्ञान की परिभाषा, विस्तार क्षेत्र का अध्ययन, अन्य विषयों से संबंध।
(Definition, extent and relationship of Archaeology with other branches of Studies)

इकाई– 2 भारत में पुरातत्व का इतिहास, प्राचीन स्थलों की खोज एवं तिथि निर्धारण।
(History of Indian Archaeology, Discovery of Ancient Sites and Dating Methods)

इकाई– 3 उत्खनन–विधियॉ, सर्वेक्षण, स्तर विन्यास, उत्खनन का लेखा–जोखा।
(Methods of Excavation, Survey, Stratification, Documentation of excavation)

इकाई– 4 भृदभाण्ड, गैरिक भृदभाण्ड, चित्रित धूसर भृदभाण्ड, काले और लाल भृदभाण्ड, उत्तरी कृष्ण मर्जित भृदभाण्ड (एन.वी.पी.)।
(Pottery: Ochre Coloured Pottery (O.C.P.), Painted Grey Ware (P.G.W.), Black & Red Ware (B.R.W.), Northern Black Polished Ware (N.B.P.W.)

इकाई– 5 प्रमुख पुरास्थलों का अध्ययन–
कालीबंगा, एरण, कौशाम्बी, हस्तिनापुर, ब्रह्मगिरी, सिरपुर, मल्हार।
(Important Archaeological sites: Kalibangan, Eran, Koshambi, Hastinapur, Brahmgiri, Sirpur, Malhar)

अनुशंशित ग्रंथ :

1. के.डी. बाजपेयी – मध्यप्रदेश का पुरातत्व
2. आर.एम. व्हीलर – पृथ्वी से पुरातत्व
3. बी.एन.पुरी – पुरातत्व विज्ञान
4. जयनारायण पाण्डेय – पुरातत्व विमर्श
5. राकेश प्रकाश पाण्डेय – पुरातत्व विज्ञान
6. मदन मोहन सिंह – पुरातत्व की रूपरेखा

"अथवा"

बी.ए. तृतीय वर्श

द्वितीय : प्रश्न–पत्र (ब)

B.A. Part III Paper II (B)

(ब) पुराभिलेख एवं मुद्राशास्त्र के मूल तत्व (पेपर कोड 0268)

Elements of Palaeography and Numismatics

पूर्णांक : 50

इकाई– 1 (1) प्राचीन भारतीय इतिहास की पुनर्रचना में अभिलेखों का महत्व।
(Significance of Epigraphy for writing Ancient Indian History)
(2) लेखन कला का उद्‌भव एवं विकास।
(Origin and development of writing skill)
(3) अभिलेखों में प्रयुक्त भाषायें, लिपियॉं तथा सामग्री।
(Languages, Scripts and materials used for Inscriptions)

इकाई– 2 निम्नलिखित अभिलेखों का ऐतिहासिक महत्व : (Historic significance of the following Inscription)
(1) अशोक का द्वितीय शिलालेख। (2^{nd} rock edict of Ashoka)
(2) अशोक का बारहवां शिलालेख। (12^{th} rock edict of Ashoka)
(3) हेलियोडोरस का बेसनगर स्तम्भलेख। (Besnagar Pillar Inscription of Heliodorus)
(4) गौतमी पुत्र सातकर्णी का नासिक अभिलेख। (Nasik Inscription of Gautamiputra Satkarni)
(5) खारवेल का हाथिगुफा अभिलेख। (Hanthigumpha Inscription of Kharvela)
(6) रूद्र दामन का जूनागढ़ (Junagarh Inscription of Rudradaman)

इकाई– 3 (1) समुद्र गुप्त का प्रयाग प्रशस्ति अभिलेख। (Allahabad Pillar Inscription of Samudragupta)
(2) पुलकेशिन द्वितीय का एहोल लेख। (Aihole Inscription of Pulakeshin – II)
(3) हर्ष का बांसखेड़ा अभिलेख। (Banskhera Inscription of Harsha)
(4) महारानी वासटा का लक्ष्मण मंदिर अभिलेख। (Lakshman temple Inscription of Queen Vasta)
(5) जाजल्ल देव प्रथम का रतनपुर अभिलेख। (Ratanpur Inscription of Jajalladeva)

इकाई– 4 इतिहास की पुर्नरचान में मुद्रा का महत्व, मुदा का उद्‌भव एवं प्राचीनता, मुद्रा निर्माण तकनीक तथा आहत सिक्के ।
(Significance of Numismatics for writing Ancient Indian History, Origin and antiquity of Coins, Minting Techniques of Coins, Punch-Marked Coins)

इकाई– 5 कुषाण कालीन सिक्के, जनपदीय सिक्के (तक्षशिला, कौशाम्बी, एरण), गुप्त कालीन मुद्रायें, समुद्र गुप्त, चन्द्रगुप्त द्वितीय, एवं कुमारगुप्त की स्वर्ण रजत एवं ताम्र मुद्राये स्थानीय मुद्राये शरभपुरीय, नलवंशीय एवं कलचुरी राजवंश।
Kushana Coins, Janpada Coins (Taxila, Kaushambi, Eran), Gupta coins, Gold, Silver and Copper coins of Samudragupta, Chandragupta-II and Kumaragupta; Regional coins: Sharabhpuriya, Nala, Kalachuri)

अनु□ां□ित ग्रंथ :

1. डी.सी.सरकार – इंडियन एपिग्राफी
2. डी.सी.सरकार – सेलेक्ट इन्सक्रिप्शन्स भाग 1 व 2
3. एस.एच.दानी – इंडियन पैलियोग्राफी
4. वासुदेव बाजपेयी – प्राचीन भारतीय अभिलेखों का अध्ययय
5. कृष्णदत्त बाजपेयी, कन्हैयालाल अग्रवाल संतोष कुमार बाजपेयी –ऐतिहासिक भारतीय अभिलेख
6. परमेश्वरी लाल गुप्ता – प्राचीन भारतीय मुद्राएँ
7. डी.सी.सरकार – स्टडीज एवं इंडियन क्वाएन्स
8. ए.के.शरण – ट्राइबल क्वाएन्स
9. भास्कर चट्‌टोपाध्याय – द एज ऑफ दि कुषाणजःए न्यूमिस्मेटिक स्टडी
10. ए.एस. अल्तेकर – गुप्तकालीन मुद्राएँ
11. राजवंत राव – प्राचीन भारतीय मुद्राएँ

प्रायोगिक तथा मौखिक परीक्षा

पूर्णांक – 50

1. किसी महत्वपूर्ण पुरातात्विक/ऐतिहासिक स्थान का भ्रमण एवं विवरण प्रस्तुति – 20 अंक
2. पुरावस्तुओं की पहचान – 20 अंक
3. मौखिकी – 10 अंक

योग – 50 अंक

(डॉ. दिने□ा नंदिनी परिहार)	(डॉ. अनुप परसाई)	(डॉ. निते□ा कुमार मिश्र)
अध्यक्ष	सदस्य	सदस्य

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय
रायपुर (छत्तीसगढ़)

पाठ्यक्रम

बी. ए.–3 (कोड– 103) B. A.-3 (Code-103)
बी. ए. क्लासिक्स–3 (कोड– 053) B. A. CLASSICS-3 (Code-053)

परीक्षा : 2018– 19

कुलसचिव पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय
रायपुर (छत्तीसगढ़) की ओर से

संशोधित पाठ्यक्रम
बी. ए. भाग– 3
हिन्दी साहित्य
प्रथम प्रश्न पत्र
जनपदीय भाषा– साहित्य (छत्तीसगढ़ी)
(पेपर कोड– 0233)

प्रस्तावना–

हिन्दी केवल खड़ी बोली नहीं है, बल्कि एक बहुत बड़ा भाषिक समूह है। हिन्दी जगत में अनेक विभाषाएं, बोलियाँ और उपबोलियाँ विद्यमान हैं जिनमें सकल साहित्य सम्पदा है। इनके सम्यक अध्ययन और अन्वेषण की आवश्यकता है। जनपदीय भाषा छत्तीसगढ़ी निरन्तर विकास की ओर अग्रसर हो रही है अस्तु, इस भाषा का और इसमें रचित साहित्य का इतिहास– विकास स्पष्ट करते हुए इनसे संबंधित प्रमुख रचनाकारों का आलोचनात्मक अनुशीलन करना हिन्दी के वृहत्तर हित में होगा। छत्तीसगढ़ी भाषा का पाठ्यक्रम निम्न बिन्दुओं पर आधारित हैं–

(क) छत्तीसगढ़ी भाषा का इतिहास– विकास
(ख) छत्तीसगढ़ी भाषा में रचित साहित्य का इतिहास
(ग) छत्तीसगढ़ी भाषा के प्रमुख प्राचीन एवं अर्वाचीन रचनाकारों की कृतियों का अध्ययन।

पाठ्य विषय–

रचनाएँ–

(1) प्राचीन कवि संत धर्मदास के 3 पद
   1. गुरू पइंया लागों नाम लखा दीजो हो।
   2. नैना आगे ख्याल घनेरा।
   3. भजन करौ भाई रे, अइसन तन पाय के।
   (सन्दर्भ– धर्मदास के शब्दावली से उद्घृत)
(2) लखनलाल गुप्त का गद्य–
   1. सोनपान
   (गद्य– पुस्तक' सोनपान' के उद्घृत)
(3) अर्वाचीन रचनाकार
   डॉ. सत्यभामा आडिल रचित गद्य
   1. सीख सीख के गोठ
   (गद्य पुस्तक 'गोठ' के उद्घृत)
(4) डॉ. विनय पाठक की कविताएँ–
   1. तँय उठथस सुरूज उथे
   2. एक किसिम के नियाव
   ('अकादसी और अनचिन्हार' पुस्तक से उद्घृत)

(5) मुकुन्द कौशल– छत्तीसगढ़ी गजल
''छै बित्ता के मनखे देखों..... से– मछरी मन लाख लेथे'' तक
(पुस्तक' छत्तीसगढ़ी गजल' के पृष्ठ 17 से उद्घृत)

द्रुतपाठ के रचनाकार– (व्यक्तित्व एवं कृतित्व)

1. सुन्दर लाल शर्मा
2. कपिलनाथ कश्यप
3. रामचन्द्र देशमुख (रंगकर्मी)

अंक विभाजन– व्याख्याएं (3)	– 21 अंक
आलोचनात्मक प्रश्न (2)	– 24 अंक
लघुउत्तरीय प्रश्न (5)	– 15 अंक
वस्तुनिष्ठ (15)	– 15 अंक
कुल अंक	75

इकाई विभाजन

इकाई एक	–	व्याख्या
इकाई दो	–	प्राचीन एवं अर्वाचीन रचनाकार
इकाई तीन	–	(अ) छत्तीसगढ़ी भाषा का इतिहास
		(ब) छत्तीसगढ़ी साहित्य का इतिहास
इकाई चार	–	द्रुत पाठ के तीन रचनाकार
इकाई पाँच	–	वस्तुनिष्ठ / (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से)

संशोधित पाठ्यक्रम

बी.ए. भाग– 3

द्वितीय प्रश्न पत्र

हिन्दी भाषा– साहित्य का इतिहास तथा काव्यांग विवेचन

(पेपर कोड– 0234)

प्रस्तावना–

हिन्दी भाषा का इतिहास जितना प्राचीन है, उतना ही गुढ़– गहन भी। इसमें रचित साहित्य ने लगभग डेढ़ हजार वर्षो का इतिहास पूरा कर लिया है इसलिए हिन्दी भाषा और साहित्य के ऐतिहासिक विवेचन की बड़ी आवश्यकता है। इसी के साथ– साथ हिन्दी ने अपना जो स्वतंत्र साहित्य शास्त्र निर्मित किया हैं, उसे भी रूपायित करने की आवश्यकता है। इसके संज्ञान द्वारा विद्यार्थी की मर्मग्राहिणी प्रतिभा का विकास होगा और ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में शुद्ध साहित्यिक विवेक का सन्निवेश होगा।

पाठ्य विषय–

(क) हिन्दी भाषा का स्वरूप विकास– हिन्दी की उत्पत्ति, हिन्दी की मूल आकर भाषाएँ तथा विभिन्न विभाषाओं का विकास। हिन्दी भाषा के विभिन्न रूप–

1. बोलचाल की भाषा
2. रचनात्मक भाषा
3. राष्ट्रभाषा
4. राजभाषा
5. सम्पर्क भाषा
6. संचार भाषा

हिन्दी का शब्द भण्डार– तत्सम, तद्भव, देशज, आगत शब्दावली।

(ख) हिन्दी साहित्य का इतिहास :– आदिकाल, पूर्व मध्यकाल, उत्तर मध्यकाल और आधुनिक काल की सामाजिक , सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, प्रमुख युग प्रवृत्तियाँ, विशिष्ट रचनाकार और उनकी प्रतिनिधि कृतियाँ, साहित्यिक विशेषताएँ।

(ग) काव्यांग	–	काव्य का स्वरूप एवं प्रयोजन। रस के विभिन्न भेद, विभिन्न अंग, विभावादि तथा उदाहरण।
प्रमुख 5 छंद	–	दोहा, सोरठा, चौपाई, कुण्डलियाँ, सवैया।
शब्दालंकार	–	अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, पुररूक्ति प्रकाश।
अर्थालंकार	–	उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, भ्रांतिमान।

संदर्भ ग्रन्थ–

(1) हिन्दी साहित्य का इतिहास संपादक– डॉ. सुशील त्रिवेदी व बाबूलाल शुक्ल (प्रकाशक– म. प्र. उ. शि. अनुदान आयोग)

(2) राजभाषा हिन्दी– मलिक मोहम्मद (प्रभात प्रकाशन दिल्ली)

(3) हिन्दी भाषा– डॉ. भोलानाथ तिवारी।

अंक विभाजन–

आलोचनात्मक (4)	– 44 अंक
लघुउत्तरीय प्रश्न (4)	– 16 अंक
वस्तुनिष्ठ प्रश्न (15)	– 15 अंक
	कुल अंक– 75 अंक

इकाई विभाजन–

इकाई– 1 हिन्दी भाषा का स्वरूप– विकास– (खण्ड– 'क')
इकाई– 2 हिन्दी का शब्द भण्डार– (खण्ड 'क' का अंतिम भाग)
इकाई– 3 हिन्दी साहित्य का इतिहास– (खण्ड– ख)
इकाई– 4 काव्यांग– रस, छंद, अंलकार (भाग– ग)
इकाई– 5 लघुउत्तरीय एवं वस्तुनिष्ठ प्रश्न (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से)

इतिहास अध्ययनशाला

पं.रविशंकर भुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर

केन्द्रीय अध्ययन मण्डल की बैठक (इतिहास)

विषय– इतिहास　　प्रश्न पत्र – प्रथम

संकाय– सामाजिक विज्ञान

कक्षा का नाम – बी.ए. तृतीय वर्ष　　प्रश्न पत्र का नाम – भारत का इतिहास 1761 ई. से 1947 ई. तक

नवीन संशोधित पाठ्यक्रम

इकाई–1

1. भारत में यूरोपीयनों का आगमन
2. आंग्ल–फ्रांसीसी प्रतिस्पर्धा– कर्नाटक युद्ध
3. ब्रिटिश साम्राज्य का विस्तार – प्लासी एवं बक्सर युद्ध
4. ब्रिटिश साम्राज्य का विस्तार – वेलेजली की सहायक संधि, डलहौजी की हड़प नीति

इकाई–2

5. ब्रिटिश प्रशासनिक सुधार – लार्ड विलियम बैंटिंग
6. लार्ड कर्जन का प्रशासन
7. यूरोपीय वाणिज्यवाद का भारत में प्रभाव–उद्योगों व व्यापार का पतन
8. विभिन्न सामाजिक वर्ग–कृषक, मजदूर, महिलाएं

इकाई–3

9. कृषि का पतन एवं कृषक आंदोलन
10. भूराजस्व व्यवस्थाएं – स्थायी बंदोबस्त, रैयतवाड़ी, महालवाड़ी
11. भारतीय पुनर्जागरण–ब्रह्म समाज, आर्य समाज
12. मुस्लिम समाज सुधार आंदोलन–अलीगढ़ आंदोलन

इकाई–4

13. रेल यातायात का उद्भव एवं विकास
14. हस्तशिल्प उद्योगों का पतन
15. ईस्ट इंडिया कंपनी का रियासतों से संबंध
16. पाश्चात्य शिक्षा का विकास एवं प्रेस

इकाई–5

17. ब्रिटिश नियंत्रण काल में छत्तीसगढ़ की प्रशासनिक व्यवस्था
18. ब्रिटिश कालीन प्रशासनिक व्यवस्था
19. छत्तीसगढ़ में सामाजिक सुधार–कबीर पंथ एवं सतनाम पंथ
20. छत्तीसगढ़ की जनजातीय संस्कृति

इतिहास अध्ययनशाला
पं.रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल की बैठक (इतिहास)

विषय– इतिहास प्रश्न पत्र – द्वितीय
संकाय– सामाजिक विज्ञान
कक्षा का नाम – बी.ए. तृतीय वर्ष प्रश्न पत्र का नाम – भारत के राष्ट्रीय आन्दोलन का इतिहास 1857ई. से 1947ई. तक

नवीन संशोधित पाठ्यक्रम

इकाई–1
1. राष्ट्रवाद का उदय
2. 1857ई. की क्रांति : कारण एवं परिणाम
3. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना – उद्देश्य, उदारवाद, उग्रवाद
4. बंगाल का विभाजन एवं स्वदेशी आंदोलन

इकाई–2
5. क्रांतिकारी आंदोलन– प्रथम एवं द्वितीय चरण
6. भारतीय राजनीति में साम्प्रदायिकता का उदय– मुस्लिम लीग की स्थापना
7. होमरूल आंदोलन
8. लखनऊ समझौता

इकाई–3
9. गांधीवादी आंदोलन – असहयोग आंदोलन
10. सविनय अवज्ञा आंदोलन
11. आदिवासी मजदूर एवं कृषक आंदोलन
12. भारत छोड़ो आंदोलन

इकाई–4
13. आजाद हिन्द फौज
14. भारत का विभाजन एवं स्वतंत्रता
15. रियासतों का विलिनीकरण
16. भारतीय संविधान की प्रमुख विशेषताएं

इकाई–5
17. छत्तीसगढ़ में 1857ई. की क्रांति– नारायण सिंह एवं हनुमान सिंह
18. बस्तर का मुरिया विद्रोह एवं भूमकाल आंदोलन
19. छत्तीसगढ़ में गांधीवादी आंदोलन
20. छत्तीसगढ़ में रियासतों का विलिनीकरण

बी.ए. तृतीय वर्ष, इतिहास
प्रश्न पत्र – प्रथम
भारत का इतिहास 1761 ई. से 1947 ई. तक

इकाई–1

1. भारत में यूरोपीयनों का आगमन
2. आंग्ल–फ्रांसीसी प्रतिस्पर्धा– कर्नाटक युद्ध
3. ब्रिटिश साम्राज्य का विस्तार – प्लासी एवं बक्सर युद्ध
4. ब्रिटिश साम्राज्य का विस्तार – वेलेजली की सहायक संधि, डलहौजी की हड़प नीति

इकाई–2

5. ब्रिटिश प्रशासनिक सुधार – लार्ड विलियम बैंटिंग
6. लार्ड कर्जन का प्रशासन
7. यूरोपीय वाणिज्यवाद का भारत में प्रभाव–उद्योगों व व्यापार का पतन
8. विभिन्न सामाजिक वर्ग–कृषक, मजदूर, महिलाएं

इकाई–3

9. कृषि का पतन एवं कृषक आंदोलन
10. भूराजस्व व्यवस्थाएं – स्थायी बंदोबस्त, रैयतवाड़ी, महालवाड़ी
11. भारतीय पुनर्जागरण–ब्रह्म समाज, आर्य समाज
12. मुस्लिम समाज सुधार आंदोलन–अलीगढ़ आंदोलन

इकाई–4

13. रेल यातायात का उद्‌भव एवं विकास
14. हस्तशिल्प उद्योगों का पतन
15. ईस्ट इंडिया कंपनी का रियासतों से संबंध
16. पाश्चात्य शिक्षा का विकास एवं प्रेस

इकाई–5

17. ब्रिटिश नियंत्रण काल में छत्तीसगढ़ की प्रशासनिक व्यवस्था
18. ब्रिटिश कालीन प्रशासनिक व्यवस्था
19. छत्तीसगढ़ में सामाजिक सुधार–कबीर पंथ एवं सतनाम पंथ
20. छत्तीसगढ़ की जनजातीय संस्कृति

संदर्भ ग्रन्थ सूचीः–

1) एल.पी. शर्मा – आधुनिक भारत

(2) ए.आर. देसाई – आधुनिक राष्ट्रवाद की सामाजिक पृष्ठभूमि

(3) रजनी पामदत्त – इंडिया टुडे

(4) ग्रोवर एवं यशपाल – आधुनिक भारत का इतिहास एवं नवीन मूल्यांकन (1707–1969)

(5) एस.आर. शर्मा – मेकिंग आफ मार्डन इंडिया

(6) प्रताप सिंह – आधुनिक भारत–1, खंड–3

(7) एम.एस. जैन – आधुनिक भारत का इतिहास

(8) एस.पी. नायर – सोशल एंड इकॉनामिक हिस्ट्री आफ मॉडर्न इंडिया

(9) S.P. Nanda - Economic and Social History of Modern India

(10) V.A. Narain - Social History of Modern India

(11) एग्नेस ठाकुर – भारत का आर्थिक इतिहास (1757–1950)

(12) पुरी, दास, चोपड़ा –भारत का सामाजिक आर्थिक एवं सांस्कृतिक इतिहास

(13) अरूण भट्टाचार्य – हिस्ट्री आफ माडर्न इंडिया (1757–1947)

(14) नीलकंठ शास्त्री –एडवांस हिस्ट्री ऑफ इंडिया

(15) आर.सी. मजुमदार एवं एच.सी. राय – ऐन एडवांश हिस्ट्री ऑफ इंडिया

(16) कौलेश्वर राय – आधुनिक भारत 1757–195

(17) सीमा पाल – भारतीय संस्कृति एवं ब्रिटिश उपनिवेशवाद

(18) यशपाल एवं ग्रोवर – आधुनिक भारत का इतिहास

(19) शेखर बंदोपाध्याय – प्लासी से विभाजन तक

(20) दीलीप मेनन – आधुनिक भारत का इतिहास

(21) दीलीप मेनन –कल्चरल हिस्ट्री ऑफ मार्डन इंडिया

(22) ए.पी.सिंह – भारत में उपनिवेश

(23) घनश्याम शाह – भारत में सामाजिक आंदोलन

(24) किशोर अग्रवाल – बीसवीं शताब्दी का छत्तीसगढ़

(25) अशोक शुक्ला – छत्तीसगढ़ का राजनीतिक इतिहास

(26) भगवान सिंह वर्मा – छत्तीसगढ़ का इतिहास

(27) सुरेश चंद्र – छत्तीसगढ़ का समग्र इतिहास

(28) हीरालाल शुक्ल – छत्तीसगढ़ का जनजातीय इतिहास

(29) आभा पाल एवं डिश्वर नाथ खुटे – बस्तर का राजनीतिक, सामाजिक एवं आर्थिक इतिहास

बी.ए. तृतीय वर्ष, इतिहास
प्रश्न पत्र –द्वितीय
भारत के राष्ट्रीय आन्दोलन का इतिहास 1857 ई. से 1947 ई. तक

इकाई 1

.1. राष्ट्रवाद का उदय
2. 1857ई. की क्रांति : कारण एवं परिणाम
3. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना – उद्देश्य, उदारवाद, उग्रवाद
4. बंगाल का विभाजन एवं स्वदेशी आंदोलन

इकाई 2.

5. क्रांतिकारी आंदोलन– प्रथम एवं द्वितीय चरण
6. भारतीय राजनीति में साम्प्रदायिकता का उदय– मुस्लिम लीग की स्थापना
7. होमरूल आंदोलन
8. लखनऊ समझौता

इकाई 3.

9. गांधीवादी आंदोलन – असहयोग आंदोलन
10. सविनय अवज्ञा आंदोलन
11. आदिवासी मजदूर एवं कृषक आंदोलन
12. भारत छोड़ो आंदोलन

इकाई 4.

13. आजाद हिन्द फौज
14. भारत का विभाजन एवं स्वतंत्रता
15. रियासतों का विलिनीकरण
16. भारतीय संविधान की प्रमुख विशेषताएं

इकाई 5.

17. छत्तीसगढ़ में 1857ई. की क्रांति– नारायण सिंह एवं हनुमान सिंह
18. बस्तर का मुरिया विद्रोह एवं भूमकाल आंदोलन
19. छत्तीसगढ़ में गांधीवादी आंदोलन
20. छत्तीसगढ़ में रियासतों का विलिनीकरण

संदर्भ ग्रन्थ सूची:–

(1) ताराचंद – भारतीय स्वाधीनता आंदोलन का इतिहास भाग 1 व 2

(2) सुमित सरकार – आधुनिक भारत

(3) पं.सुंदरलाल शर्मा – भारत में अंग्रेजी राज

(4) डॉ. आभा सक्सेना – इंडियन नेशनल मूवमेंट एंड द लिबरलस

(5) ए.आर. देसाई – भारतीय राष्ट्रवाद की सामाजिक पृष्ठभूमि

(6) शर्मा एवं शर्मा – भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन एवं राजनैतिक विकास

(7) कौलेश्वर राय – फ्रीडम स्ट्रगल

(8) विपिन चन्द्र – भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास

(9) बीरकेश्वर प्रसाद सिंह – भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन एवं संवैधानिक विकास

(10) रामलखन शुक्ला – आधुनिक भारत का इतिहास

(11) विनोद कुमार सक्सेना – द पार्टीशन ऑफ बंगाल

(12) के.पी. बहादुर – हिस्ट्री ऑफ फ्रीडम मूवमेंट इन इंडिया

(13) योगेन्द्र श्रीवास्तव – हिस्ट्री ऑफ फ्रीडम मूवमेंट 1857–1947

(14) यशपाल एवं ग्रोवर – आधुनिक भारत का इतिहास

(15) कौलेश्वर राय – आधुनिक भारत 1757–1950

(16) दामोदर धर्मानंद कौसंबी – भारतीय इतिहास का अध्ययन

(17) उषा ठक्कर एवं जयश्री मेहता – गांधी बोध

(18) माधुरी बोस – बोस बंधु और भारतीय स्वतंत्रता

(19) अजय गुडावर्थी – भारत मे राजनीतिक आंदोलनों का समकालीन इतिहास

(20) एम.आजाद – आजादी का कहानी

(21) ए.पी. सिंह – भारत में राष्ट्रवाद

(22) सुमीत सरकार – मॉर्डन टाइम्स

(23) रजनी कोठारी – पोलिटिक्स इन इंडिया

(24) एम.के. गांधी – हिन्द स्वराज

(25) किशोर अग्रवाल – बीसवीं शताब्दी का छत्तीसगढ़

(26) अरविंद शर्मा – छत्तीसगढ़ का इतिहास

(27) अशोक शुक्ला – छत्तीसगढ़ का राजनीतिक इतिहास

(28) भगवान सिंह वर्मा – छत्तीसगढ़ का इतिहास

(29) सुरेश चंद्र – छत्तीसगढ़ का समग्र इतिहास

(30) सुरेश चंद्र शुक्ला, एवं अर्चना शुक्ला – छत्तीसगढ़ की रियासतों का विलीनीकरण

(31.) आभा पाल एवं डिश्वर नाथ खुटे – बस्तर का राजनीतिक, सामाजिक एवं आर्थिक इतिहास

विषय / संकाय / प्रश्नपत्र का नामः **B.A. Part-III (Mathematics)**

Paper-III (Optional Papers)

वर्तमान पाठ्यक्रम	नवीन संशोधित पाठ्यक्रम	नवीन संशोधित पाठ्यक्रम का औचित्य
(I) PRINCIPLES OF COMPUTER SCIENCE (II) DISCRETE MATHEMATICS (III) APPLICATION OF MATHEMATICS IN FINANCE AND INSURANCE (IV) PROGRAMMING IN C AND NUMERICAL ANALYSIS (V) MATHEMATICAL MODELLING	(I) PRINCIPLES OF COMPUTER SCIENCE (II) DISCRETE MATHEMATICS ~~APPLICATION OF MATHEMATICS IN FINANCE AND INSURANCE~~ (III) PROGRAMMING IN C AND NUMERICAL ANALYSIS ~~MATHEMATICAL MODELLING~~	पूर्व में प्रचलित 5 वैकल्पिक प्रश्नपत्रों में से दो को अलोकप्रिय होने के कारण विलोपित किया गया है। विगत 10 वर्षो में किसी भी छात्र / छात्रा द्वारा उक्त प्रश्नपत्रों का चयन नहीं किया गया है।
प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम यथावत है।		

Prof.H.K.Pathak **Prof.B.S.Thakur** **Prof.M.A.Siddiqui** **Dr.S.K.Bhatt** **Dr.R.K.Mishra** **Dr.A.K.Mishra** **S.K.Gupta** **Sangeeta Pandey**

MATHEMATICS

There shall be three theory papers. Two compulsory and one optional. Each paper carrying 50 marks is divided into five units and each unit carry equal marks.

B.A. Part-III
PAPER - I
ANALYSIS

REAL ANALYSIS

UNIT-I Series of arbitrary terms. Convergence, divergence and oscillation. Abel's and Dirichlet's test. Multiplication of series. Double series. Partial derivation and differentiability of real-valued functions of two variables. Schwarz and Young's theorem. Implicit function theorem. Fourier series. Fourier expansion of piecewise monotonic functions.

UNIT-II Riemann integral. Intergrability of continuous and monotonic functions. The fundamental theorem of integral calculus. Mean value theorems of integral calculus. Improper integrals and their convergence. Comparison tests. Abel's and Dirichlet' tests. Frullani's integral. Integral as a function of a parameter. Continuity, derivability and integrability of an integral of a function of a parameter.

COMPLEX ANALYSIS

UNIT-III Complex numbers as ordered pairs. Geometrical representation of complex numbers. Stereographic projection. Continuity and differentiability of complex functions. Analytic functions. Cauchy-Riemann equations. Harmonic functions. Elementary functions. Mapping by elementary functions. Mobius transformations. Fixed points, Cross ratio. Inverse points and critical mappings. Conformal mappings.

METRIC SPACES

UNIT-IV Definition and examples of metric spaces. Neighbourhoods, Limit points, Interior points, Open and Closed sets, Closure and interior. Boundary points, Sub-space of a metric space. Cauchy sequences, Completeness, Cantor's intersection theorem. Contraction principle, construction of real numbers as the completion of the incomplete metric space of rationals. Real numbers as a complete ordered field.

UNIT-V Dense subsets. Baire Category theorem. Separable, second countable and first countable spaces. Continuous functions. Extension theorem. Uniform continuity, isometry and homeomorphism. Equivalent metrics. Compactness, sequential compactness. Totally bounded spaces. Finite intersection property. Continuous functions and Compact sets, Connectedness, Components, Continuous functions and Connected sets.

REFERENCES :

1. T.M. Apostol, Mathematical Analysis, Narosa Publishing House, New Delhi, 1985.
2. R.R. Goldberg, Real Analysis, Oxford & IBH publishing Co., New Delhi, 1970.
3. S. Lang, Undergraduate Analysis, Springer-Verlag, New York, 1983.
4. D. Somasundaram and B. Choudhary, A First Coarse in Mathematical Analysis, Narosa Publishing House, New Delhi, 1997.
5. Shanti Narayan, A Course of Mathematical Analysis, S. Chand & Co. New Delhi.
6. P.K. Jain and S.K. Kaushik, An introduction to Real Analysis, S. Chand & Co., New Delhi, 2000.
7. R.V. Churchill and J.W. Brown, Complex Variables and Applications, 5th Edition, McGraw- Hill, NewYork, 1990.
8. Mark J. Ablowitz and A.S. Fokas, Complex Variables : Introduction and Applications, Cambridge University Press, South Asian Edition, 1998.
9. Shanti Narayan, Theory of Functions of a Complex Variable, S. Chand & Co., New Delhi.
10. E.T. Copson, Metric Spaces, Cambridge University Press, 1968.
11. P.K. Jain and K. Ahmad, Metric Spaces, Narosa Publishing House, New Delhi, 1996.
12. G.F. Simmons, Introduction to Topology and Modern Analysis, McGraw-Hill, 1963.

B.A. Part-III
PART - II
ABSTRACT ALGEBRA

UNIT-I Group-Automorphisms, inner automorphism. Automorphism of groups and their computations, Conjugacy relation, Normaliser, Counting principle and the class equation of a finite group. Center for Group of prime-order, Abelianizing of a group and its universal property. Sylow's theorems, Sylow subgroup, Structure theorem for finite Abelian groups.

UNIT-II Ring theory-Ring homomorphism. Ideals and quotient rings. Field of quotients of an integral domain, Euclidean rings, polynomial rings, Polynomials over the rational field. The Eisenstien criterion, polynomial rings over commutative rings, Unique factorization domain. R unique factorisation domain implies so is $R[x_1, x_2 \ldots\ldots x_n]$. Modules, Submodules, Quotient modules, Homomorphism and Isomorphism theorems.

UNIT-III Definition and examples of vector spaces. Subspaces. Sum and direct sum of subspaces. Linear span, Linear dependence, independence and their basic properties. Basis. Finite dimensional vector spaces. Existence theorem for bases. Invariance of the number of elements of a basis set. Dimension. Existence of complementary subspace of a finite dimensional vector space. Dimension of sums of subspaces. Quotient space and its dimension.

UNIT-IV Linear transformations and their representation as matrices. The Algebra of linear transformations. The rank nullity theorem. Change of basis. Dual space. Bidual space and natural isomorphism. Adjoint of a linear transformation. Eigenvalues and eigenvectors of a linear transformation. Diagonalisation. Annihilator of a subspace. Bilinear, Quadratic and Hermitian forms.

UNIT-V Inner Product Spaces-Cauchy-Schwarz inequality. Orthogonal vectors. Orthogonal Complements. Orthonormal sets and bases. Bessel's inequality for finite dimensional spaces. Gram-Schmidt Orthogonalization process.

REFERENCES :

1. I.N. Herstein, Topics in Algebra, Wiley Eastern Ltd., New Delhi, 1975.
2. N. Jacobson, Basic Algebra, Vols. I & II. W.H. Freeman, 1980 (also published by Hindustan Publishing Company).
3. Shanti Narayan, A Text Book of Modern Abstract Algebra, S.Chand & Co. New Delhi.
4. K.B. Datta, Matrix and Linear Algebra, Prentice Hall of India Pvt. Ltd., New Delhi, 2000.
5. P.B. Bhattacharya, S.K. Jain and S.R. Nagpal, Basic Abstract Algebra (2"" Edition) Cambridge University Press, Indian Edition, 1997.
6. K. Hoffman and R. Kunze, Linear Algebra, (2nd Edition), Prentice Hall. Englewood Cliffs, New Jersey, 1971.
7. S.K. Jain, A. Gunawardena and P.B. Bhattacharya, Basic Linear Algebra with MATLAB. Key College Publishing (Springer-Verlag) 2001.
8. S. Kumaresan, Linear Algebra, A Geometric Approach, Prentice-Hall of India, 2000.
9. Vivek Sahai and Vikas Bist, Algebra, Norosa Publishing House, 1997.
10. I.S. Luther and I.B.S.Passi, Algebra, Vol. I-Groups, Vol. II-Rings. Narosa Publishing House (Vol. I-1996, Vol. II-1999)
11. D.S. Malik, J.N. Mordeson, and M.K. Sen, Fundamentals of Abstract Algebra, McGraw- Hill International Edition, 1997.

B.A. Part-III
PAPER - III - (OPTIONAL)
(I) PRINCIPLES OF COMPUTER SCIENCE

UNIT-I **Data Storage** - Storage of bits. Main Memory. Mass Storage. Coding Information of Storage. The Binary System. Storing integers, storing fractions, communication errors.
Data Manipulation - The Central Processing Unit. The Stored-Program Concept. Programme Execution. Other Architectures. Arithmetic/Logic Instructions. Computer- Peripheral Communication.

UNIT-II **Operating System and Networks** - The Evolution of Operating System. Operating System Architecture. Coordinating the Machine's Activities. Handling Competition Among Process. Networks. Networks Protocol.
Software Engineering - The Software Engineering Discipline. The Software Life Cycle. Modularity. Development Tools and Techniques. Documentation. Software Ownership and Liability.

UNIT-III **Algorithms** - The Concept of an Algorithm, Algorithm Representation. Algorithm Discovery. Iterative Structures. Recursive Structures. Efficiency and Correctness. (Algorithms to be implemented in C++).
Programming Languages - Historical Perspective. Traditional Programming Concepts, Program Units. Language Implementation. Parallel Computing. Declarative Computing.

UNIT-IV **Data Structures** - Arrays. Lists. Stacks. Queues. Trees. Customised Data Types. Object Oriented Programming.
File Structure - Sequential Files. Text Files. Indexed Files. Hashed Files. The Role of the Operating System.
Database Structure - General Issues. The Layered Approach to Database Implementation. The Relational Model. Object-Oriented Database. Maintaining Database Integrity. E-R models

UNIT-V **Artifical Intelligence** - Some Philosophical Issues. Image Analysis. Reasoning, Control System Activities. Using Heuristics. Artificial Neural Networks. Application of Artificial Intelligence.
Theory of Computation - Turning Machines. Computable functions. A Non computable Function. Complexity and its Measures. Problem Classification.

REFERENCES :

1. J. Glen Brookshear, Computer Science : An Overview, Addition -Wesley.
2. Stanley B. Lippman, Josee Lojoie, C++ Primer (3rd Edition), Addison-Wesley.

B.A. Part-III
PAPER - III - (OPTIONAL)
(II) DISCRETE MATHEMATICS

UNIT-I **Sets and Propositions** - Cardinality. Mathematical Induction, Principle of inclusion and exclusion. **Computability and Formal Languages** - Ordered Sets. Languages. Phrase Structure Grammars. Types of Grammars and Languages. Permutations. Combinations and Discrete Probability.

UNIT-II **Relations and Functions** - Binary Relations, Equivalence Relations and Partitions. Partial Order Relations and Lattices. Chains and Antichains. Pigeon Hole Principle.

Graphs and Planar Graphs - Basic Terminology. Multigraphs. Weighted Graphs. Paths and Circuits. Shortest Paths. Eulerian Paths and Circuits. Travelling Salesman Problem. Planner Graphs. Trees.

UNIT-III **Finite State Machines** - Equivalent Machines. Finite State Machines as Language Recognizers. **Analysis of Algorithms** - Time Complexity. Complexity of Problems. Discrete Numeric Functions and Generating Functions.

UNIT-IV **Recurrence Relations and Recursive Algorithms** - Linear Recurrence Relations with constant coefficients. Homogeneous Solutions. Particular Solution. Total Solution. Solution by the Method of Generating Functions. Brief review of Groups and Rings.

UNIT-V **Boolean Algebras** - Lattices and Algebraic Structures. Duality, Distributive and Complemented Lattices. Boolean Lattices and Boolean Algebras. Boolean Functions and Expressions. Prepositional Calculus. Design and Implementation of Digital Networks. Switching Circuits.

REFERENCES :

1. C.L. Liu, Elements of Discrete Mathematics, (Second Edition), McGraw Hill, International Edition, Computer Science Series, 1986

B.A. Part-III
PAPER - III - (OPTIONAL)
(III) PROGRAMMING IN C AND NUMERICAL ANALYSIS
(Theory & Practical)
Theory component will have maximum marks 30.
Practical component will have maximum marks 20.

UNIT-I Programmer's model of a computer. Algorithms. Flow Charts. Data Types. Arithmetic and input/output instructions. Decisions control structures. Decision statements. Logical and Conditional operators. Loop. Case control structures. Functions. Recursions. Preprocessors. Arrays. Puppetting of strings. Structures. Pointers. File formatting.

Numerical Analysis

UNIT-II **Solution of Equations:** Bisection, Secant, Regula Falsi, Newton's Method, Roots of Polynomials. **Interpolation:** Lagrange and Hermite Interpolation, Divided Differences, Difference Schemes, Interpolation Formulas using Differences. Numerical Differentiation. Numerical Quadrature: Newton-Cote's Formulas. Gauss Quadrature Formulas, Chebychev's Formulas.

UNIT-III **Linear Equations:** Direct Methods for Solving Systems of Linear Equations (Guass Elimination, LU Decomposition, Cholesky Decomposition), Iterative Methods (Jacobi, GaussSeidel, Relaxation Methods).
The Algebraic Eigenvalue problem: Jacobi's Method, Givens' Method, Householder's Method, Power Method, QR Method, Lanczos' Method.

UNIT-IV **Ordinary Differential Equations:** Euler Method, Single-step Methods, Runge-Kutta's Method, Multi-step Methods, Milne-Simpson Method, Methods Based on Numerical Integration, Methods Based on Numerical Differentiation, Boundary Value Problems, Eigenvalue Problems.
Approximation: Different Types of Approximation, Least Square Polynomial Approximation, Polynomial Approximation using Orthogonal Polynomials, Approximation with Trigonometric Functions, Exponential Functions, Chebychev Polynomials, Rational Functions.

Monte Carlo Methods

Unit-V Random number generation, congruential generators, statistical tests of pseudo-random numbers. Random variate generation, inverse transform method, composition method, acceptance rejection method, generation of exponential, normal variates, binomial and Poisson variates.
Monte Carlo integration, hit or miss Monte Carlo integration, Monte Carlo integration for improper integrals, error analysis for Monte Carlo integration.

REFERENCES :

1. Henry Mullish and Herbert L. Cooper, Spirit of C: An Introduction to Modern Programming, Jaico Publishers, Bombay.
2. B.W. Kernighan and D.M. Ritchie. The C Programming Language 2nd Edition, (ANSI features) Prentice Hall, 1989.
3. Peter A Darnel and Philip E. Margolis, C : A Software Engineering Approach, Narosa Publishing House, 1993.
4. Robert C. Hutehisonand Steven B. Just, Programming using C Language, McGraw Hill, 1988.
5. Les Hancock and Morris Krieger, The C Primer, McGraw Hill, 1988.
6. V. Rajaraman, Programming in C, Prentice Hall of India, 1994.
7. Byron S. Gottfried, Theory and Problems of Programming with C, Tata McGraw-Hill Publishing Co. Ltd., 1998.
8. C.E. Froberg, Introduction to Numerical Analysis, (Second Edition), Addison-Wesley, 1979.
9. James B. Scarborough, Numerical Mathematical Analysis, Oxford and IBHPublishing Co. Pvt. Ltd. 1966.

10. Melvin J. Maron, Numerical Analysis A Practical Approach, Macmillan publishing Co., Inc. New York, 1982.
11. M.K. Jain, S.R.K. Iyengar, R.K. Jain, Numerical Methods Problems and Solutions, New Age International (P) Ltd., 1996.
12. M.K. Jain, S.R.K. Iyengar, R.K. Jain, Numerical Methods for Scientific and Engineering Computation, New Age International (P) Ltd., 1999.
13. R.Y. Rubistein, Simulation and the Monte Carlo Methods, John Wiley, 1981.
14. D.J. Yakowitz, Computational Probability and Simulation, Addison-Wesley, 1977.

PAPER - III - (OPTIONAL)
(IV) PRACTICAL
PROGRAMMING IN C AND NUMERICAL ANALYSIS

LIST OF PRACTICAL TO BE CONDUCTED...

1. Write a program in C to find out the largest number of three integer numbers.
2. Write a program in C to accept monthly salary from the user, find and display income tax with the help of following rules :

Monthly Salary	Income Tax
9000 or more	40% of monthly salary
7500 or more	30% of monthly salary
7499 or less	20% of monthly salary

3. Write a program in C that reads a year and determine whether it is a leap year or not.
4. Write a program in C to calculate and print the first n terms of fibonacci series using looping statement.
5. Write a program in C that reads in a number and single digit. It determines whether the first number contains the digit or not.
6. Write a program in C to computes the roots of a quadratic equation using case statement.
7. Write a program in C to find out the largest number of four numbers using function.
8. Write a program in C to find the sum of all the digits of a given number using recursion.
9. Write a program in C to calculate the factorial of a given number using recursion.
10. Write a program in C to calculate and print the multiplication of given 2D matrices.
11. Write a program in C to check that whether given string palindrome or not.
12. Write a Program in C to calculate the sum of series:

$$1 + x + \frac{1}{2!}x^2 + \frac{1}{3!}x^3 + \ \ldots\ldots + \frac{1}{n!}x^n$$

13. Write a program in C to determine the grade of all students in the class using Structure. Where structure having following members - name, age, roll, sub1, sub2, sub3, sub4 and total.
14. Write a program in C to copy one string to another using pointer. (Without using standard library functions).
15. Write a program in C to store the data of five students permanently in a data file using file handling.

संशोधित पाठ्यक्रम – बी.ए. अंतिम वर्ष के अंतर्गत
विशय – नृत्य (भरत नाट्यम)

बी.ए. भाग (3) के लिये इस विषय में प्रायोगिक और सैद्धांतिक दो भाग होगें। प्रायोगिक 50 अंक एवं सैद्धांतिक 100 अंक का होगा। इस हेतु 50–50 अंक के दो प्रश्नपत्र होंगे। प्रत्येक वर्ष के पूर्णांक कुल मिलाकर 150 अंक के होगें।

क्र	विवरण		पूर्णांक	उत्तीर्णांक
1	सैद्धांतिक प्रथम प्रश्न पत्र	–	50	17
2	सैद्धांतिक द्वितीय प्रश्न पत्र	–	50	17
3	प्रायोगिक	–	50	17
		योग	**150**	**51**

सैद्धांतिक (विस्तृत पाठ्यक्रम)
प्रथम प्र□न पत्र
शीर्षक – नृत्य का इतिहास एवं सामान्य अध्ययन
(पेपर कोड – 0287)

1. **नृत्य का इतिहास** – 1. राजपूत काल 2. मुगल काल 3. ब्रिटिश काल 4. स्वतंत्र भारत में नृत्य (आधुनिक काल)
2. **विभिन्न शास्त्रीय नृत्य प्रणालियों की संक्षिप्त जानकारी**
   1. कुचिपूड़ी 2. मोहिनीअट्टम 3. मणिपुरी 4. छाऊ 5. सत्रिय
3. **नवरस विवरण**
4. **भारतीय प्रेक्षागृहों की जानकारी (नाट्यशास्त्र के अनुसार)**
   त्रयस्त्र, चतस्त्र एवं विकृष्ट प्रेक्षागृह
5. **लोकधर्मी नाट्य परंपरा** – **लोकनाट्य –**
   संक्षिप्त जानकारी 1. यक्षगान 2. तेरूकुतु 3. पंडवानी

लोकनृत्य परिचय

1. भांगड़ा 2. कोलाट्टम
3. कोरतिकुमि

सैद्धांतिक (विस्तृत पाठ्यक्रम)
द्वितीय प्र□न पत्र
शीर्षक – शास्त्रीय नृत्य सिद्धान्त
(पेपर कोड – 0288)

1. **ताण्डव और लास्य नृत्य का परिचय**
2. **नायक – नायिका भेद निरूपण**
3. **पादभेद– (1) चारी (2) स्थानक**
4. **भरतनाट्यम पद्धति के क्रर्मो (मार्गम का संक्षिप्त विवरण)**
   1. वर्णम् 2. कीर्तनम् 3. जावली 4. तिल्लाना 5. श्लोकम्
5. **वरिष्ठ नृत्य कलाकार की संक्षिप्त जीवनी**
   1. श्रीमती रूक्मिणी अरुण्डेल 2. श्रीमती बाला सरस्वती

प्रायोगिक

1. **मौखिक मुद्रा प्रद□ान –**
   (1) असंयुक्त हस्त की शेष मुद्राओं (सर्पशीर्ष से त्रिशूल तक) का विनियोग (श्लोक सहित)
   (2) जाति हस्त, (3) दशावतार हस्त

2. **कार्यक्रम विभाग**
   (1) पंचजाति (तत्मेट्टी के अनुसार)
   (2) अष्टपदी अथवा कीर्तनम्
   (3) पदम् अथवा जावली
   (4) देहाभ्यास, समग्र अड़तु संचालन